राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 359
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शुक्रवार 21 नवंबर 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट पेज 3 यूपी रेरा ने दी 2009 करोड़ की परियोजना को मंजूरी | पेज 4 एसआईबी की टीम ने पकड़ी 25 लाख रुपये की टैक्स चोरी | पेज 6 शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे।, इस खिलाड़ी को

संक्षिप्त खबरें

बेंगलुरु में एटीएम कैश वैन से 7 करोड़ की लूट

बेंगलुरु। बेंगलुरु में बदमाशों ने एक एटीएम कैश वैन से 7 करोड़ रुपए लूट लिए। घटना बुधवार दोपहर 12: 30 बजे की है। बदमाशों ने खुद को भारतीय रिजर्व बैंक का अधिकारी बताकर कैश वैन को रास्ते में रोक लिया और कैश लेकर फरार हो गए। पुलिस को वैन बाद में जयदेव डेयरी सर्कल फ्लाईओवर के पास मिली। पुलिस ने ड्राइवर, दो सुरक्षाकर्मियों और एक कैश डिपॉजिटर को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। वैन कैश मैनेजमेंट सर्विस कंपनी की है। पुलिस कमिश्नर सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि ष्टरूस् के कुछ कर्मचारियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। मामला सिद्धापुराद पुलिस थाने में दर्ज कर लिया गया है।

बहन की 5 गोलियां मारकर हत्या

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। यहां लव मैरिज करने से गुस्साए भाई ने 5 गोलियां मारकर बहन की हत्या कर दी। देवर बचाने आया तो उसकी छाती में भी गोली मार दी गई। वहीं बहन का पति उस वक्त घर नहीं था, इस वजह से उसकी जान बच गई। शुरुआती जांच में पता चला कि महिला ने 3 साल पहले गांव के ही युवक से लव मैरिज की थी। पहले वह दूसरी जगह रहती थी। कुछ महीने पहले ही वह पति के साथ गांव लौटी थी। जिससे उसके मायके वाले बेइज्जती महसूस कर रहे थे। महिला के पति ने अपने साले और उसके साथियों के खिलाफ शिकायत दी है।

हैप्पी मॉर्निंग

मां अपने तोतले लड़के से बोली-
बेटा आज हम लड़की
देखने जा रहे हैं, तुम वहां बोलना
मत वरना ये लोग भी मना कर देंगे
लड़की वालों के घर जब लड़की
चाय लेकर आई,
तो लड़का चाय पीते बोला-
दलम है दलम लड़की-
ओए फूत माल
फूत......

शायरी

किसी की बात कोई बद-गुमाँ न
समझेगा
ज़मीं का दर्द कभी आसमाँ न
समझेगा

अर्थसार

सेंसेक्स:
85,632.68
+446.21 (0.52%)
निफ्टी:
26,192.15
+139.50

मौसम

अधिकतम : 25 डिग्री से0
न्यूनतम : 12 डिग्री से0
सूर्योदय शनिवार : 6 : 50
सूर्यास्त शुक्रवार : 5 : 23

10वीं बार सीएम बने नीतीश कुमार

26 मंत्रियों ने भी शपथ ली; इनमें भाजपा के 14, जदयू के 8, चिराग के 2 मंत्री; एक मुस्लिम चेहरा

एजेंसी

पटना। नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गांधी मैदान में गुरुवार को हुए भव्य समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने शपथ ली। वहीं 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली।

जिनमें 14 बीजेपी कोटे से, 8 जदयू से, 2 लोजपा (आर) से जबकि हम और कुशवाहा की पार्टी से 1-1 को मंत्री बनाया गया है। इस मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम चेहरा भी शामिल है। जदयू ने जमा खान को फिर मंत्री बनाया है। शपथ के बाद पीएम मोदी ने मंच से गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। हरियाणा, असम, गुजरात, मेघालय, यूपी, नगालैंड, ओडिशा, दिल्ली, एमपी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी शपथ समारोह में शामिल हुए। मंच पर चिराग पासवान ने मांझी और जेपी नड्डा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

नीतीश कैबिनेट में 13 नए चेहरों को मौका

नीतीश कैबिनेट में इस बार नए चेहरों को मौका दिया गया है। रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। चिराग की पार्टी से 2 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। इसमें संजय सिंह भी शामिल हैं।

संजय सिंह महुआ से चुनाव जीते हैं। उन्होंने लालू यादव के बेटे तेजप्रताप को हराया था।

26 मंत्रियों ने ली शपथ

1. सम्राट चौधरी	14. सुनील कुमार
2. विजय कुमार सिन्हा	15. मो० जमा खान
3. विजय कुमार चौधरी	16. संजय सिंह 'टाइगर
4. बिजेन्द्र प्रसाद यादव	17. अरुण शंकर प्रसाद
5. श्रवण कुमार	18. सुरेन्द्र मेहता
6. मंगल पाण्डेय	19. नारायण प्रसाद
7. डॉ० दिलीप जायसवाल	20. रमा निषाद
8. अशोक चौधरी	21. लखेन्द्र कुमार रौशन
9. लेशी सिंह	22. श्रेयसी सिंह
10. मदन सहनी	23. डॉ० प्रमोद कुमार
11. नितिन नवीन	24. संजय कुमार
12. राम कृपाल यादव	25. संजय कुमार सिंह
13. संतोष कुमार सुमन	26. दीपक प्रकाश

निरीक्षण अभियान

अनंतनाग में डॉ. अदील राथर के लॉकर से इस महीने की शुरुआत में एके-47 राइफल बरामद होने के बाद सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के लॉकरों के निरीक्षण अभियान के दौरान एक सुरक्षा अधिकारी।

दिल्ली ब्लास्ट : 10 दिन की एनआईए कस्टडी में चार आरोपी

▶ इनमें तीन डॉक्टर भी; जम्मू में कश्मीर टाइम्स के ऑफिस पर छापा, एके-47 के कारतूस मिले

एजेंसी

नई दिल्ली/फरीदाबाद। दिल्ली ब्लास्ट केस में एनआईए ने डॉ. मुजम्मिल, डॉ. शाहीन सईद, डॉ. आदिल अहमद और मुफ्ती इरफान अहमद को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया।

कोर्ट ने चारों आरोपियों को 10 दिन की एनआईए कस्टडी में भेज दिया है।

दरअसल इस केस में एनआईए ने कुल 6 आरोपियों को अरेस्ट किया था। हालांकि ये पहले जम्मू-कश्मीर सहित अन्य राज्यों की पुलिस की गिरफ्त में थे। एनआईए ने अब आरोपियों को अपनी कस्टडी में लिया है।

उधर जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने गुरुवार को कश्मीर टाइम्स अखबार के जम्मू ऑफिस पर छापा मारा।

जहां से एके राइफल के कारतूस, पिस्तौल के राउंड और हैंड ग्रेनेड पिन बरामद की गई। दरअसल यह कार्रवाई पब्लिकेशन के देश के खिलाफ गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में की गई।

राज्यपाल विधानसभा से पास बिलों को न लटकाएं : सुप्रीम कोर्ट

बिल मंजूर करें, लौटाएं या राष्ट्रपति को भेजें; डेडलाइन नहीं, लेकिन देरी पर दखल देंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रपति और राज्यपाल की बिल मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि हमें नहीं लगता कि गवर्नरों के पास विधानसभाओं से पास बिलों (विधेयकों) पर रोक लगाने की पूरी पावर है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, गवर्नर्स के पास 3 ऑप्शन हैं। या तो मंजूरी दें या बिलों को दोबारा विचार के लिए भेजें या उन्हें प्रेसिडेंट के पास भेजें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिलों की मंजूरी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की जा सकती। अगर देरी होगी तो हम दखल दे सकते हैं।

यह मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर ने राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।

इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने मामले में सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे। इस मामले में 8 महीने से सुनवाई चल रही थी।

दिल्ली स्टूडेंट सुसाइड मामला, स्कूल की हेडमिस्ट्रेस सहित 4 सस्पेंड

छात्र ने मेट्रो स्टेशन से कूदकर जान दी थी; पेरेंट्स का आरोप- स्कूल में इंसल्ट हुई

दिल्ली। दिल्ली में 10वीं के छात्र के सुसाइड मामले में गुरुवार को सेंट कोलंबा स्कूल की हेडमिस्ट्रेस, दो शिक्षकों समेत चार कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। चारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दिल्ली शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच तक आरोपियों को अस्थायी रूप से सस्पेंड किया गया है। वहीं, छात्र के पैरेंट्स ने गुरुवार को आरोप लगाया कि स्कूल के टीचर ने बच्चे का अपमान किया था। छात्र के पिता प्रदीप पाटिल ने बताया कि 18 नवंबर को स्कूल में स्टेज पर डांस प्रैक्टिस के दौरान उनका बेटा फिसलकर गिर गया था।

पिता के अनुसार, तब एक शिक्षक ने उसे डांट दिया। बेटे के रोने पर एक अन्य शिक्षक ने कहा- रो लो जितना रोना है, मुझे फर्क नहीं पड़ता। पिता ने बताया कि घटना के समय हेडमिस्ट्रेस मौजूद थीं, पर किसी को नहीं रोका।

16 साल के छात्र ने 18 नवंबर को राजेंद्र नगर मेट्रो स्टेशन से कूदकर सुसाइड कर लिया था। उसके माता-पिता ने बुधवार को प्रिंसिपल, कोऑर्डिनेटर और दो शिक्षकों पर स्नङ्घक्रदर्ज कराई। उनका आरोप है कि स्कूल लगातार मानसिक दबाव डालता था।

शौर्य ने सुसाइड नोट में भाई और मां से माफी मांगी

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मौके से मिले सुसाइड नोट में शौर्य ने कुछ शिक्षकों पर कई दिनों से परेशान करने का आरोप लगाया है। शौर्य ने लिखा कि लगातार परेशान किए जाने के कारण उसने जान देने का फैसला लिया। उसने माता-पिता से उनके लिये कुछ न कर पाने पर अफसोस जताया और भाई और मां से माफी मांगी।

शौर्य ने लिखा, स्कूल टीचर्स के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि कोई और बच्चा ऐसी स्थिति में न आए।

दिल्ली दंगा, पुलिस बोली- पढ़े लिखे आतंकी ज्यादा खतरनाक

सुप्रीम कोर्ट में कहा- ये सरकारी पैसों से डॉक्टर-इंजीनियर बनते हैं, फिर दंगे करते हैं

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जब पढ़े-लिखे आतंकवादी बन जाते हैं तो वे ओवरग्राउंड वर्कर्स से ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों के लिए देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होना अब एक ट्रेंड बन गया है। ये लोग सरकारी पैसों का इस्तेमाल करके पढ़ाई करते हैं फिर एंटी नेशनल एक्टिविटी में शामिल हो जाते हैं। दिल्ली पुलिस ने 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में शरजील इमाम के भड़काऊ भाषणों के वीडियो पेश किए। वीडियो में शरजील इमाम नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देते हुए दिख रहा है।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि इन भाषणों से माहौल बिगड़ा और लोगों को उकसाने का काम हुआ। शरजील इमाम ने सीएए और एनआरसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों के दौरान ऐसे भाषण दिए, जिसने हिंसा भड़काने का काम किया। शरजील इमाम इंजीनियरिंग ग्रेजुएट है।

फरवरी 2020

सीएए यानी नागरिकता संशोधन अधिनियम के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान दिल्ली के उत्तर-पूर्वी हिस्से में सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी, जिसमें 54 लोग मारे गए और 700 से ज्यादा घायल हुए। उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य पर दंगों का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगा। उन पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

दिल्ली पुलिस ने कोर्ट को क्या-क्या बताया...

दिल्ली दंगे को पूरे भारत में फैलाने की कोशिश की गई थी और इसका मकसद अंतरराष्ट्रीय ध्यान खींचना था। आरोपियों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत दौरे के समय ही हिंसा भड़काने की योजना बनाई थी, जिससे अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान खींचा जा सके। यह एक साजिश थी।

यह एक गहरी, सुनियोजित और सोची-समझी साजिश थी। दंगों में 53 लोगों की मौत हुई, और सैकड़ों करोड़ों रुपयों की सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा। इस हिंसा से जुड़े 753 एफआईआर दिल्ली में दर्ज की गईं।

पुलिस ने ये भी दावा किया कि जांच के दौरान मिले चैट मैसेज और अन्य डिजिटल सबूतों से पता चला है कि दंगों की योजना केवल दिल्ली तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसे देशभर में फैलाने की कोशिश की गई थी।

हादसा ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाई थी; कमरा छोटा था, दम घुट गया

कानपुर में कोयला जलाकर सो रहे 4 दोस्तों की मौत

एजेंसी

कानपुर। कानपुर में एक कमरे में सो रहे चार दोस्तों के शव गुरुवार सुबह मिले। बताया जा रहा है कि ठंड के कारण उन्होंने तसले में कोयला जलाया था। कमरे को अंदर से बंद कर सो गए थे। शुरुआती जांच के मुताबिक, चारों की मौत दम घुटने से हुई है।

पनकी थाना के इंडस्ट्रियल एरिया में रहने वाले ये चारों दोस्त गुरुवार सुबह काफी देर तक नहीं उठे। पास में रहने वाले साथियों ने कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। शक होने पर पुलिस को सूचना दी गई।

तब तक लोगों ने दरवाजा तोड़ा, अंदर चारों के शव पड़े मिले। सभी देवरिया के थाना तरकुलवा के तौकलपुर गांव के रहने वाले थे। रिफाइनरी फैक्ट्री में वेल्डिंग का काम करते थे। फैक्ट्री परिसर में 10ङ्घ8 के कमरे में रहते थे।

इनकी पहचान अमित वर्मा (32), संजू सिंह (22), राहुल सिंह (23) और दाऊद अंसारी (28) के रूप में हुई है। चारों ने रात में चिकन, रोटी और चावल बनाकर खाया था।

पारा 10.4 डिग्री था, फर्श पर सोए थे

बुधवार रात कानपुर बर्रा सेंटर का न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सर्द रात में चारों दोस्त कोयला जलाकर फर्श पर लेटे थे। किसी ने कागज के गत्ते बिछाए थे, तो कोई पतला चादर बिछाए था। कोई पैंट-शर्ट तो कोई हाफ टीशर्ट और लोअर पहने था। तीन लोगों ने पतले कंबल ओढ़ रखे थे। एक बिना कुछ ओढ़े ही लेटा था।

पुलिस कमिश्नर बोले- कमरे में वेंटिलेशन नहीं था

पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया- कमरे में किसी तरह का वेंटिलेशन नहीं था। कोयला जलने से कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बनी, जिसे चारों युवक धीरे-धीरे बिना महसूस किए इनहेल करते रहे। इसी दौरान सो गए।

सुबह जब उनके साथी दरवाजा खुलवाने पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। किसी तरह दरवाजा खुलवाने पर देखा गया कि चारों युवक दम तोड़ चुके हैं। फोरेंसिक जांच पूरी कर ली गई है।

लुधियाना में 2 आतंकियों का एनकाउंटर

छाती-पेट में गोली लगी, पाक बेस्ड गैंगस्टर-टेरर मॉड्यूल से जुड़े

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में पुलिस ने आतंकियों का एनकाउंटर किया है। यह मुठभेड़ दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे पर लाडोवाल टोल प्लाजा के पास हुई। पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा ने बताया कि कुछ दिन पहले पुलिस ने पाक टेरर मॉड्यूल से जुड़े 3 आतंकी पकड़े थे।

उनसे पूछताछ के बाद इनके बारे में पता चला था। जिसके बाद पुलिस ने इन्हें पकड़ने के लिए ट्रैप लगाया था। मगर, पुलिस के घेरने पर उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। आतंकियों ने डीसीपी की गाड़ी को टारगेट किया।

इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। जिसमें एक आतंकी को 3 और दूसरे को एक गोली लगी है। 3 गोली लगने वाले आतंकी की हालत गंभीर बनी हुई है। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि ये ग्रेनेड की डिलीवरी लेने के लिए आए थे। जिसके बाद इन्हें पाकिस्तानी हैंडलर के कहे मुताबिक ग्रेनेड अटैक करना था। इनसे 2 चाइना मेड ग्रेनेड, 5 चाइनीज पिस्टल और 50 से ज्यादा कारतूस बरामद हुए हैं।

संपादकीय

'ज़मीनों पर हो रहे क़ब्ज़े : प्रशासन की चुप्पी, गुंडों की जीत'

शुरुआत एक चुभते हुए शेर से

'हमसे पहले भी मुसाफ़िर कई गुज़रे होंगे,
कम से कम राह के पत्थर तो हटाते जाते।'
दुष्यंत कुमार

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

लेकिन आज तो हाल यह है कि पत्थर हटाने की जगह, सरकारें रास्ते ही गुंडों को सौंप रही हैं। जमीन अब कानूनी दस्तावेज़ से नहीं, गुंडों की ताकत से तय हो रही है भारत में ज़मीन हमेशा संघर्ष का विषय रही है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह संघर्ष कानूनी हक़ और न्याय से बढ़कर ताकत, दबंगई और राजनीतिक संरक्षण पर निर्भर हो चुका है। आज देश के अधिकांश राज्यों की सच्चाई यह है अगर आपकी ज़मीन चाहिए, तो कोई भी रात में जेसीबी भेजकर, दिन में गुंडे भेजकर कब्ज़ा कर सकता है।
और प्रशासन? जैसे सब कुछ 'स्वाभाविक' हो।

कब्ज़ा गिरोह – सत्ता का नया साझेदार

सबसे ख़तरनाक बात यह है कि आज कब्ज़ा कराने वाले और कब्ज़ा रोकने वाले
दोनों प्रशासन के भीतर से निकले हुए हैं।

कब्ज़े कैसे होते हैं?

☞ पहले धमकी दी जाती है
☞ फिर 'सेटिंग' का भाव बताया जाता है
☞ फिर नकली काग़ज़ बनते हैं
☞ फिर पटवारी-लेखपाल-थानेदार की डोर हिलती है
☞ और फिर रातों-रात आपकी जमीन पर दीवार खड़ी हो जाती है
और अगर आप चिल्लाएँ?
तो सिस्टम कहता है —
'जाइए, कोर्ट जाइए। हम कुछ नहीं कर सकते।'
यानी गुंडे कब्ज़ा कर लें और प्रशासन कानून का हवाला देकर खड़ा देखता रहे।
सबसे बड़ा सवाल कब्ज़ा किसकी ज़मीन पर होता है?

क्या आपने कभी सुना

☞ किसी नेता की कोठी पर कब्ज़ा?
☞ किसी बिल्डर की टाउनशिप पर?
☞ किसी मंत्री के फार्महाउस पर?
☞ किसी बड़े उद्योगपति की ज़मीन पर?
नहीं।

क्योंकि गुंडों का कब्ज़ा हमेशा चलता है

☞ गरीब किसान पर
☞ मज़दूर पर
☞ दलितों पर
☞ मुसलमानों पर
☞ मजदूरी खोजने वालों पर
☞ शहर की झुग्गियों पर
☞ या किसी अकेले आम नागरिक पर
अमीरों की ज़मीन पर कानून चलता है,
गरीब की ज़मीन पर गुंडों का बुलडोज़र।

प्रशासन की चुप्पी अपराध की सबसे बड़ी साझेदार

कब्ज़ा करने वाले गुंडे प्रशासन के इशारे के बिना
एक ईंट भी नहीं रख सकते।

थाने-कचहरी की भूमिका क्या रहती है?

☞ शिकायत नहीं लिखेंगे
☞ मामला 'नागरिक विवाद' बता देंगे
☞ कब्ज़ा हो जाने के बाद कहेंगे — 'अब कोर्ट जाइए'
☞ और कोर्ट में 10-15 साल की तारीखें
जबकि सच्चाई यह है कब्ज़ा रोकने के लिए 10 मिनट चाहिए,
कब्ज़ा साबित कराने में 10 साल लग जाते हैं।
और यही धंधा है।
यही बिज़नेस मॉडल है।

राजनीतिक संरक्षण – कब्ज़े का असली मालिक

गुंडे सिर्फ़ मोहरा होते हैं।
असली खिलाड़ी कौन हैं?
☞ सत्ता में बैठे नेता
☞ स्थानीय दबंग
☞ माफिया-बिल्डर
☞ राजस्व अधिकारी
☞ पुलिस तंत्र
ज़मीन-कब्ज़ा भारत का नया हाई-प्रॉफिट, लो-रिस्क क्राइम बन चुका है। क्योंकि पकड़ कभी नहीं होती।

यहाँ फ़ैज़ का शेर असलियत खोल देता है

'ये दाग़ दाग़ उजाला, ये शब-गज़ीदा सहर,
वो इंतज़ार था जिसका, ये वो सहर तो नहीं'
जिस सुबह की उम्मीद जनता करती है,
वह सुबह आज भी गुंडों से अँधेरी है।

पीड़ित कहाँ जाए?

एक किसान की ज़मीन छिन जाए — उसका जीवन छिन जाता है।
एक गरीब की झोपड़ी टूट जाए उसका भविष्य टूट जाता है।
एक आम आदमी से प्लॉट छिन जाए — उसकी मेहनत की पूरी कमाई छिन जाती है।

और वह जाए कहाँ?

☞ पुलिस उसे दौड़ाती है
☞ राजस्व विभाग उसे फाइलों में घुमा देता है
☞ नेता उसे 'चुनाव के बाद देखेंगे' कहकर टालते हैं
☞ कोर्ट उसे वर्षों की प्रतीक्षा पर भेज देता है
यानी पीड़ित के पास सिर्फ़ दो रास्ते हैं —
लड़े या मर जाए।
यह संपादकीय जमीन के लिए नहीं, इंसाफ़ के लिए है
यह लड़ाई किसी एक खेत, प्लॉट या घर की नहीं है।
यह लड़ाई है :
☞ नागरिक अधिकार की
☞ संपत्ति के मूल अधिकार की
☞ न्याय की
☞ संविधान की
☞ और लोकतंत्र की

हमारा सवाल साफ है :

☞ कब्ज़ा होने से पहले प्रशासन कहाँ था?
☞ रात में दीवार किसकी सुरक्षा में खड़ी हुई?
☞ काग़ज़ किसने बनाए?
☞ पुलिस किसके कहने पर मौन रही?
और जवाब भी उतना ही साफ है :
कब्ज़ा गुंडे नहीं करते —
कब्ज़ा सिस्टम करता है।

बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने खींच दी एक बड़ी लाइन, जिसे छोटा करना आसान नहीं !

कमलेश पांडे

विधानसभा चुनाव 2025 में उनकी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की, जदयू की सीटें लगभग दोगुनी बढ़ीं और एनडीए को 202 सीटों का बहुमत मिला। इसके बाद उन्होंने मंत्रिमंडल में गठबंधन सहयोगियों को संतुलित स्थान देने का निर्णय लिया। उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए कई बार सरकार भंग की और गठबंधन बदला, जिससे उनकी सियासी मजबूती बनी रही।

कभी सुप्रसिद्ध समाजवादी विचारक किशन पटनायक ने कहा था कि विकल्पहीन नहीं है दुनिया, लेकिन बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने साबित कर दिया है कि कोई लाख चिल्ल-पों मचा ले, परंतु बिहार में मुख्यमंत्री बनने के लिए उनका कोई विकल्प नहीं है।

ऐसा इसलिए कि बिहार के जागरूक मतदाताओं को भ्रष्टाचार के आरोपों से बेदाग, सुशासन पसंद और राजनीतिक परिवारवाद के धुर विरोधी नीतीश कुमार का नेतृत्व ही पसंद है।

नीतीश कुमार एक बार बिहार के मुख्यमंत्री बने और 20 नवंबर 2025 को उन्होंने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। इस बार उन्हें अभूतपूर्व जनादेश मिला है, जिससे तमाम कयासों को धत्ता बताकर वे पुन: मुख्यमंत्री बने हैं।

इस प्रकार बिहार की सियासत में नीतीश कुमार ने एक वैसी बड़ी लाइन खींच दी है, जिसे छोटा करना उनके सियासी विरोधियों के लिए कतई आसान नहीं है।

हालांकि, अपने इस रिकॉर्ड को कायम करने के लिए उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई बार गठबंधन बदले हैं, जिसमें बीजेपी और महागठबंधन दोनों के साथ शामिल हुए हैं।

वाकई नीतीश कुमार की राजनीति का मूल मंत्र व्यावहारिकता, लचीला गठबंधन और प्रशासनिक सुधार है, जिसके चलते वे बिहार की राजनीति के केन्द्रीय पात्र बने हुए हैं।

नीतीश कुमार के राजनीतिक बदलाव मुख्य रूप से सत्ता की भूख, सामाजिक परिवर्तन की इच्छा, गठबंधन रणनीति, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों के कारण हुए हैं, जिन्होंने उन्हें बिहार की प्रमुख राजनीतिक शख्सियत बनाया है। नीतीश कुमार की राजनीति व्यावहारिकता, गठबंधन-केन्द्रित रणनीति और सुशासन के एजेंडे पर आधारित रही है, जहाँ वे विभिन्न दलों के साथ बार-बार गठबंधन बदलते हुए भी कई बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं।

यही वजह है कि नीतीश कुमार को बिहार में %इच्छा शासन% का स्तंभ माना जाता है, और उन्होंने बिहार में सत्ता के महत्वपूर्ण मंत्रालयों पर नियंत्रण बनाए रखा है। यह सभी तथ्य नीतीश कुमार के राजनीतिक गाम्भीर्य और प्रशासनिक कौशल को दर्शाते हैं, विशेष रूप से बिहार की राजनीति में उनकी भूमिका को दिखाते हैं। इनके प्रमुख फैसले लगातार गठबंधन राजनिति में संतुलन बनाना और विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना रहे हैं।

बहरहाल, 2024 में वह बीजेपी के साथ फिर से गठबंधन कर एनडीए के तहत मुख्यमंत्री पद पर बने रहे। उनके राजनीतिक फैसलों में बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ कर महागठबंधन में शामिल होना, फिर से बीजेपी के साथ मिलकर सरकार बनाना प्रमुख रहे। उन्होंने अपने प्रशासनिक फैसलों में सत्ता नियंत्रण बनाए रखने के लिए कई बार रणनीति बदली, जैसे गृह मंत्रालय अपने पास रखने का अभियान।

विधानसभा चुनाव 2025 में उनकी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की, जदयू की सीटें लगभग दोगुनी बढ़ीं और एनडीए को 202 सीटों का बहुमत मिला। इसके बाद उन्होंने मंत्रिमंडल में गठबंधन सहयोगियों को संतुलित स्थान देने का निर्णय लिया। उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए कई बार सरकार भंग की और गठबंधन बदला, जिससे उनकी सियासी मजबूती बनी रही। देखा जाए तो नीतीश कुमार के प्रमुख राजनीतिक बदलाव उनके राजनीतिक कैरियर में उनके रणनीतिक फैसलों, गठबंधन परिवर्तन, और समाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप उनके दृष्टिकोण में बदलावों का परिणाम रहे हैं।

इसलिए मुख्य राजनीतिक बदलाव और कारण को हम यहां पर गिना रहे हैं = -

पहला, शुरुआती राजनीति और जेपी आंदोलन से उदयनीतीश कुमार का राजनीतिक सफर जनता दल (यूनाइटेड) के सदस्य से शुरू हुआ, और उन्होंने अपने शुरुआती करियर में समाजवादी विचारधारा को अपनाया। 1990 के दशक में उन्होंने जनता पार्टी / जनता दल के साथ मिलकर लोकशिक्षा व सामाजिक बदलाव पर फोकस किया।

दूसरा, पहली बार मुख्यमंत्री बनना (2000)= तत्कालीन और भौतिक राजनीतिक माहौल में बिहार में शांति व विकास के रास्ते पर लाने के लिए उन्होंने बिहार में पहली बार मुख्यमंत्री पद संभाला, लेकिन मात्र 7 दिनों के लिए सीएम बने थे।

तीसरा, महागठबंधन बनाम भाजपा समर्थक नीति : 2005 में उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के साथ गठबंधन किया, लेकिन 2013 में बीजेपी से नाता तोड़ सरकार से अलग हो गए, क्योंकि उन्हें लगा कि उनके सामाजिक-आर्थिक एजेंडे पर भाजपा की नीतियों में बाधाएँ आ रहीं हैं। इसके बाद, उन्होंने जदयू को महागठबंधन, विशेष रूप से राजद (लालू प्रसाद यादव) के साथ शामिल किया, जो उनकी राजनीतिक रणनीति में बड़ा बदलाव था।

चतुर्थ, भाजपा के साथ फिर से संधि और वापस सरकार में आना- 2017 में, नीतीश कुमार ने नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई, जिसका मुख्य कारण सत्ता का स्थायित्व और बिहार में राजनीतिक स्थिरता था। इस निर्णय का कारण उनके दिल्ली और बिहार में होने वाले राजनीतिक दबाव, गठबंधन की राजनीतिक स्थिति, और बिहार में विकास की जरूरतें मानी जाती हैं।

पंचम, समाजिक सुधार और प्रशासनिक बदलाव- व्यक्तिगत व्यवहार में सुधार, सामाजिक बदलाव, और प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ावा देना उनके बदलाव का एक अहम पहलू रहा है, जिससे वे समाज में अपनी छवि को मजबूत करते गए हैं।

कारण: राजनीतिक मजबूरियां, सत्ता बनाए रखना, सामाजिक आधार का विस्तार, और बिहार की जटिल राजनीतिक परिस्थितियों ने उनके इन बदलावों को प्रेरित किया। भीड़-भाड़ वाले पहले गठबंधन से संवाद और वफादारी की कमी, और सियासी विकल्पों का ढलान, उन्हें नए राजनीतिक समीकरण बनाने पर मजबूर किया।

नीतीश कुमार के प्रमुख राजनीतिक और प्रशासनिक फैसले एवं उनकी नीतियां निम्नलिखित हैं

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की विकास नीतियों का प्रभाव समग्र रूप से सकारात्मक और व्यापक रहा है।

उन्होंने न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर काम करते हुए राज्य के विकास के पहिये को तेजी से घुमाया है, खासकर समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में लाने और महिलाओं को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया है। इससे बिहार राज्य में आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

उनकी पॉलिसियों के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, जैसे गांवों को जोड़ना, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, और योजना लाभों का व्यापक वितरण हुआ है। प्रशासनिक स्तर पर जन-केंद्रित नीतियों और पारदर्शिता के उपायों से भ्रष्टाचार कम करने और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने में मदद मिली है।

आर्थिक दृष्टिकोण से, बिहार ने खेती पर आधारित अर्थव्यवस्था के अलावा उद्योग और सेवा क्षेत्रों में भी विकास का रास्ता अपनाया है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक स्थिरता बढ़ी है।

जीएसटी जैसे सुधारों का समर्थन कर राज्य ने वित्तीय अनुशासन बनाया और बहुआयामी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ा है। हालांकि बिहार लंबे समय तक राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार और संसाधनों की कमी की चुनौतियों से जूझता रहा, नीतीश कुमार की सरकारों ने इसे दूर करने के लिए कई सुधार लागू किए जिनका असर अब दिखने लगा है।

आज बिहार में सड़क निर्माण, सिंचाई योजनाओं और सामाजिक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की गति तेज हुई है।इस प्रकार कहा जा सकता है कि नीतीश कुमार की नीतियों ने बिहार के सामाजिक-आर्थिक विकास में एक नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है, और राज्य वर्तमान में विकास एवं आत्मनिर्भरता के पथ पर प्रभावी रूप से अग्रसर है। यह प्रभाव 2025 में भी चुनाव परिणामों और विकास परियोजनाओं में स्पष्ट दिखाई देता है।

नीतीश कुमार की सियासत को समझने के लिए निम्नलिखित कुछ पहलुओं को समझना बेहद जरूरी है-

पहला, गठबंधन आधारित राजनीति : नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में भाजपा , राजद-कांग्रेस (महागठबंधन) और अन्य दलों के साथ कई बार गठबंधन बदले हैं। वे जिस भी खेमे में जाते हैं, वहाँ सत्ता का केंद्र बन जाते हैं और सरकार बना लेते हैं; इसका उद्देश्य सत्ता में बने रहना और अपनी पार्टी की प्रासंगिकता बनाए रखना है।

दूसरा, सुशासन और सामाजिक न्याय : उनकी छवि सुशासन बाबू की रही है, जहाँ कानून व्यवस्था, महिलाओं के सशक्तिकरण, पब्लिक सर्विस डिलीवरी व सामाजिक-आर्थिक विकास पर बल दिया गया। पंचायत चुनावों में अति पिछड़ा वर्ग आरक्षण, महिला आरक्षण और कानून व्यवस्था के लिए तेज रिफॉर्म लागू किए। आधारभूत ढांचे का विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विस्तार और अमल उनकी मुख्य उपलब्धियां हैं।

तीसरा, विचारधारा और नेतृत्व शैली : नीतीश समाजवादी विचारधारा से निकले नेता हैं, लेकिन उनकी राजनीति जमीनी समझ, समय के अनुसार रणनीति बदलने और वास्तविकता पर टिकी है। विपक्ष की तुलना में वे लचीले, समन्वयकारी और हमेशा प्रासंगिक बने रहने को प्राथमिकता देते हैं।

यही नहीं, अपने शासन में उन्होंने बिहार में विकास योजनाओं पर जोर दिया है और संविदाकर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा देने जैसी पहल की है। प्रशासनिक स्तर पर अपनी कैबिनेट का आकार छोटा रखा है लेकिन भविष्य में विस्तार की बात कही है और मंत्रिमंडल में नए चेहरों को जिम्मेदारी देने का संकेत दिया है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3716

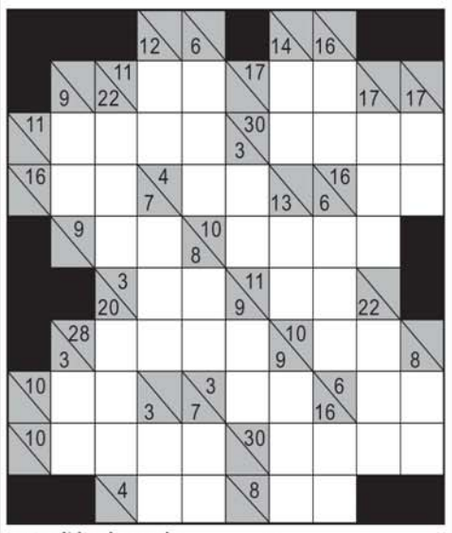

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

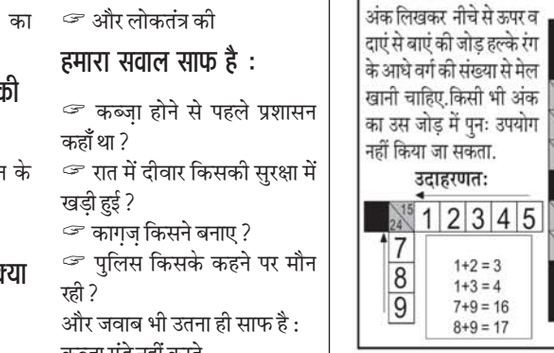

काकुरो - 3715 का हल

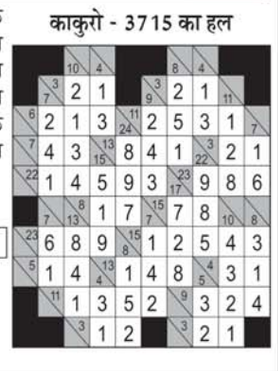

लॉफिंग ज़ोन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुँड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली- 3716

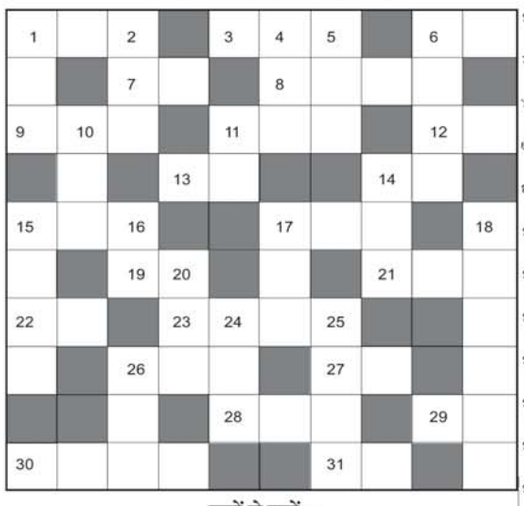

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता वाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, खन्ना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-

१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अँखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 3715

य	ह	दी	■	अ	नु	रे	ध	■	क्रो
ह	■	वा	स्त	व	■	हि	■	औं	धी
दे	व	र	■	ता	क	त	■	च	■
श	र्त	■	पा	र	स	■	स	ल	मा
■	मा	■	पी	■	क	स	म	■	ला
जा	न	म	■	अ	■	गा	य	ब	■
ने	■	श	र	दा	■	ई	■	ना	च
म	ह	ल	■	ल	की	■	जो	र	■
न	■	■	अं	त	■	जं	■	स	त्या
■	बा	रि	श	■	जु	ग	नू	■	ग

सूडोकु - 3716

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3715 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 3716

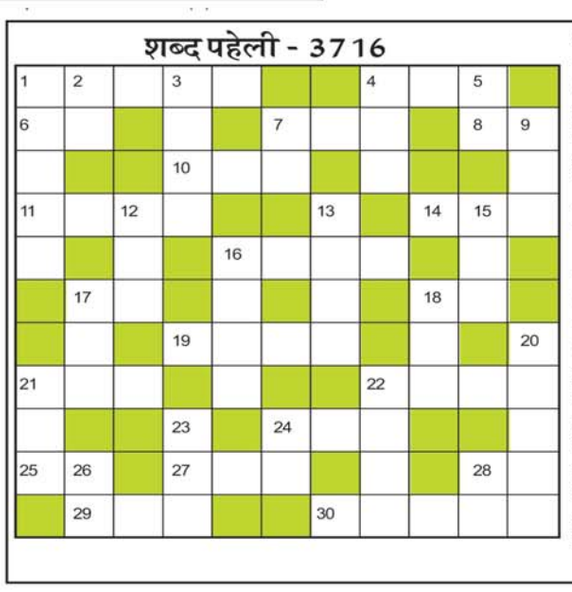

बाएँ से दाएँ
1.शरीफ,नेकनीयत-5
4.जिसे सुनाई न दे-3
6.मां का भाई-2
7.एकमात्र,सिर्फ एक-3
8.अधिकार-2
10.सिर झुकाना-3
11.दुर्घटना-4
14.दूध फाड़कर बनाया जानेवाला पदार्थ-3
16.राजदार-4
17.राजा की पत्नी-2
18.वीज, वीर्य-2
19.मीठा पेय पदार्थ-4
21.पानी की बूंद-3
22.अवरोध,बाधा-4
24.मैला,अस्वच्छ-3
25.पानी,जल-2
27.पुत्र,लड़का-3
28.लाश,पार्थिव देह-2
29.थकावट-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.समाजवाद को माननेवाला अनुयायी-5
2.अस्थमा-2
3.राज्य,सल्तनत-4
4.तन,काया,देह-3
5.रास्ता,मार्ग-2
7.नखरा,भुगतान-2
9.डोली उठाने वाले-3
12.बिजली,विद्युत रश्मि-3
13.भद्रता,नेकनियत -4
15.कमल,पंकज-3
16.बुखरा,ज्वर ताप-4
17.आराम,मदद-3
18.घना वन-3
20.मन को भाने वाला -2,3
21.कथा,गाथा-3
22.कहासुनी-4
23.मनन करना-3
24.शराब-2
26.घोड़ागाड़ी-2
28.बढ़ावा देना-2

शब्द पहेली -3715 का हल

■	रा	ह	ज	नी	■	फि	स	ल	ना	■
अ	■	क	हा	र	■	त	न	य	■	धु
ह	क	■	न	व	■	र	म	■	फ	न
म	म	ता	■	ता	क	त	■	वा	त	क
क	र	त	व	■	म	■	त	ल	वा	र
■	■	■	ल	ह	र	दा	र	■	■	■
ला	व	ज	मा	■	र्ध	■	स	ह	ल	ज
ज	त	न	■	म	द	द	■	म	ग	न
वा	न	■	क	न	■	ह	म	■	न	म
व	■	त	म	स	■	ली	ट	र	■	त
■	मे	ह	रा	ब	■	ज	र	ब	फ	ल

यूपी रेरा ने दी 2009 करोड़ की परियोजना को मंजूरी

नोएडा, लखनऊ समेत 6 जिलों में 9 परियोजना, 1586 यूनिट बनेंगी

नोएडा। यूपी रेरा ने प्रदेश के छह जिलों में 9 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इप परियोजनाओं से करीब 2008.64 करोड़ रुपए के निवेश होगा। साथ ही लोगों को प्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। ये योजनाएं लखनऊ, बाराबंकी, प्रयागराज, चंदौली, अलीगढ़ और नोएडा में हैं।

इतने यूनिट को बनाया जाएगा

इन योजनाओं में 1,586 यूनिट विकसित की जाएंगी। जिनमें फ्लैट्स, प्लॉट्स और विला शामिल हैं। परियोजनाएं आवासीय एवं मिश्रित विकास मॉडल पर आधारित हैं, जो शहरी और उपनगरीय दोनों क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेंगी। ये फैसला यूपी रेरा की 189वीं बैठक में चेयरमैन संजय भूस रेड्डी ने किया।

मंजूर की गई नौ परियोजनाओं में सबसे अधिक निवेश नोएडा में होगा। यहां 1 हजार 533 करोड़ निवेश वाली 3 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। यह क्षेत्र एनसीआर में स्थित होने के कारण निवेशकों के लिए अत्यंत आकर्षक है और रियल एस्टेट विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में निरंतर उभर रहा है। इसके अलावा लखनऊ में 283.76 करोड़ की 1 परियोजना स्वीकृत हुई है। ये राजधानी क्षेत्र में आवासीय और वाणिज्यिक मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बाराबंकी में 120.85 करोड़ की 2 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। जिससे उपनगरों और उभरते क्षेत्रों में रियल एस्टेट विस्तार को गति मिलेगी। वहीं प्रयागराज में 11.47 करोड़ और चंदौली में 37.85 करोड़ की 1-1 परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। ये पूर्वांचल क्षेत्र में विकास को प्रोत्साहित करेंगी। इसके साथ ही अलीगढ़ में 17.72 करोड़ की 1 परियोजना स्वीकृत हुई है, जो स्थानीय आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में भी योगदान देगी।

रोजगार सृजन व अर्थव्यवस्था को नई गति

इन 9 परियोजनाओं में होने वाला 2,008.64 करोड़ का निवेश राज्य की जीडीपी बढ़ोतरी में योगदान देगा। निर्माण गतिविधियों से हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर उत्पन्न होने की संभावना है। साथ ही, सीमेंट, स्टील, पेंट, टाइल्स, विद्युत उपकरण, फर्नीचर, परिवहन, बीमा और वित्तीय सेवाओं जैसे सहायक उद्योगों को भी सकारात्मक बढ़ावा मिलेगा।

13 दिसंबर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर विभिन्न विभागों के साथ बैठक हुई संपन्न

गौतम बुद्ध नगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ तथा माननीय जनपद न्यायधीश गौतमबुद्धनगर अतुल श्रीवास्तव के निर्देशों के क्रम में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतम बुद्ध नगर चंद्र मोहन श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आज आगामी 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतम बुद्ध नगर के परिसर में बैठक संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में वाद चिन्हित करने तथा चिन्हित किये गये वादों में पक्षकारों को नोटिस/सम्मन आदि भिजवाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय लोक अदालत को अपने-अपने क्षेत्रों में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किये जाने हेतु भी निर्देशित किया गया। आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी, एसीपी मा0 न्यायालय सुरक्षा सुनील गुलाटी, यातायात पुलिस विभाग से राकेश प्रताप सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुराग सारस्वत, बिजली विभाग से अमित त्रिपाठी एवं संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

शार्ट न्यूज

महिला कल्याण विभाग की ओर से महिलाओं के हितार्थ विभिन्न योजनाएं संचालित

गौतम बुद्ध नगर। जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर ने जानकारी देते हुए बताया है कि महिला कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इनमें पति की मृत्यु के बाद निराश्रित महिला की पुत्री के विवाह के लिए 10000 रुपये की आर्थिक सहायता, दहेज से पीड़ित महिलाओं के लिए 2500 रुपये की कानूनी सहायता, दहेज पीड़ितों के लिए 1500 रुपये की आर्थिक सहायता और निराश्रित महिला से विवाह करने पर दंपत्ति को 11000 रुपये की प्रोत्साहन राशि शामिल है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने जानकारी दी कि इन सभी योजनाओं का लाभ पाने के लिए पात्र महिलाएं अपना आवेदन जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, प्रथम तल, पुराना कोर्ट, नोएडा फेस-2, गौतमबुद्धनगर में जमा कर सकती हैं। लाभ पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा।

दनकौर में युवती पर थिनर से हमला

जेवर। दनकौर में बाथरूम में पहले नहाने को लेकर हुए विवाद में एक महिला पर थिनर फेंक दिया गया। इस घटना में महिला की आंखें झुलस गईं, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी महिला के पति पर भी हमला किया गया, जिससे उन्हें भी चोटें आई हैं। यह घटना दनकौर के तुलसी नगर मोहल्ले की है। पीड़ित महिला रविता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने परिवार के साथ एक किराए के मकान में रहती हैं। उसी मकान के दूसरे कमरे में एक अन्य महिला भी रहती है। बुधवार शाम रविता ड्यूटी जाने के लिए बाथरूम में नहाने जा रही थीं। इसी दौरान दूसरे कमरे में रहने वाली महिला ने उनसे पहले नहाने को कहा। जब रविता ने जल्दी होने का हवाला देते हुए पहले नहाने देने का अनुरोध किया, तो दूसरी महिला गुस्सा हो गई। गुस्साई महिला ने रविता के साथ गाली-गलौज की और फिर उन पर थिनर फेंक दिया। थिनर गिरने से रविता की आंखें बुरी तरह झुलस गईं। उन्हें गंभीर हालत में पास के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना के दौरान आरोपियों ने रविता के पति पर भी सिर पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें भी चोटें आई हैं।

सड़क दुरुस्त करने के मुद्दे पर व्यापारियों का प्रदर्शन

नोएडा। सेक्टर-49 बरौला मार्केट के व्यापारियों ने गुरुवार को टूटी सड़क बनाने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। बरौला मार्केट के अध्यक्ष शिवा चौहान ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण ने एलिवेटेड रोड तो शुरू कर दिया लेकिन उसके नीचे टूटी सड़क की सुध नहीं ली। यह सड़क कई स्थानों पर टूटी पड़ी है, जिनमें नालियों का पानी जमा हो जाता है। इतना ही नहीं सड़क पर ही कचरा पड़ा रहता है। इससे बाजार में गंदगी और बदबू फैल रही है। व्यापारियों को मजबूरी में सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करना पड़ा। बरौला मार्केट के कोषाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि प्राधिकरण अधिकारी बाजार की समस्याओं का समाधान नहीं कर रहे।उन्होंने बताया कि पिछले कई वर्षों से सड़क टूटी पड़ी है, लेकिन शिकायत पर भी कार्रवाई नहीं होती। प्राधिकरण अधिकारियों से मांग है कि समस्या का संज्ञान लेकर तत्काल कार्रवाई करें। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेशाध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि एलिवेटेड रोड शुरू होने के बाद भी नीचे की सड़क का काम प्राधिकरण द्वारा नहीं करवाया गया द्य ऐसे में दुकानदारों ने परेशान होकर प्रदर्शन किया।

विकास भवन के सभागार में ई-लाटरी होगी आयोजित

गौतम बुद्ध नगर । शासन के निर्देशों के क्रम में उप कृषि निदेशक गौतमबुद्धनगर राजीव कुमार ने बताया कि सब मिशन ऑन एग्रिकल्चर मेकनाइजेशन एवं प्रमोशन ऑफ एग्रिकल्चरल मेकनाइजेशन फार इन सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्राप रेजिड्यू योजनान्तर्गत कृषकों द्वारा 10 नवम्बर से 11 नवम्बर 2025 के मध्य बुक किये गये कृषि यंत्रों/फसल अवशेष प्रबंधन से जुड़े लाभार्थियों के चयन हेतु ई-लाटरी आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि ई-लाटरी का आयोजन 21 नवम्बर 2025, शुक्रवार को पूर्वाह्न 11: 00 बजे विकास भवन स्थित सभागार, सूरजपुर गौतमबुद्धनगर में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष संपन्न होगा। उप कृषि निदेशक ने कृषि यंत्र बुक करने वाले सभी कृषकों तथा अन्य किसान भाइयों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर ई-लाटरी प्रक्रिया में सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि लाभार्थी चयन की कार्यवाही पूर्णत: पारदर्शी, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपादित की जा सके।

घर के सामने टेंट लगाने का विरोध करने पर मारपीट

नोएडा। सेक्टर-46 में पड़ोसी पर धार्मिक आयोजन के दौरान टेंट लगाकर पड़ोसी का रास्ता रोकने और विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप लगा है। पीड़ित युवती की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-46 में रहने वाली ऐशना कपूर ने पुलिस को बताया कि पड़ोस में रहने वाले वाईपीएस चौहान ने 18 नवंबर को धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन कराया। इसके लिए घर के आगे टेंट लगाकर रास्ता रोक दिया गया। आरोप है कि जब टेंट हटाने का विरोध किया तो गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़िता ने जब आरोपियों की अभद्रता को मोबाइल से कैमरे में कैद करने का प्रयास किया तो वाईपीएस चौहान के बेटे निशांत चौहान ने मोबाइल फोन छीन लिया और अभद्रता की ।यही नहीं, निशांत की मां सुशीला ने पीड़िता के साथ मारपीट की। आरोपी परिवार के तीनों सदस्यों ने ऐशना और उसकी मां के साथ अभद्रता की। इसके चलते पीड़िता का परिवार भयभीत है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जिम्स में मोतियाबिंद का निशुल्क ऑपरेशन होगा

ग्रेटर नोएडा। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में गुरुवार से मोतियाबिंद का आपरेशन निशुल्क कर दिया गया है। इससे मरीजों को काफी सुविधा मिलेगी और उनकी जेब पर असर नहीं पड़ेगा। वहीं, संस्थान में बेहतर चिकित्सीय सुविधा के लिए ईएसआईसी से भी समझौता किया है। निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मरीजों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किए गए, जो सफल भी हुए। अब मरीज यहां पर निशुल्क आपरेशन करा सकेंगे। इससे मरीजों को निजी अस्पतालों की लूट से राहत मिलेगी। इसके अलावा जिम्स आने वाले मरीजों को सस्ती और बेहतर सुविधा व उपचार देने के लिए ईएसआइसी से एमओयू किया गया है ।ईएसआइसी की डायरेक्टर मेडिकल डॉ. सविता भाटिया ने मार्डन, कुशल और पेशेंट-सेंट्रिक हेल्थकेयर सर्विस देने में जिम्स की सरहाना की। उन्होंने कहा कि यह सहयोग ईएसआइसी लाभार्थियों के लिए बेहतर हेल्थकेयर सर्विस के लिए एक बेहतर पहल है। इससे गौतम बुद्ध नगर और आस-पास जिलों के मरीजों को लाभ मिलेगा।

स्टोर से 16 लाख का सामान चोरी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में गौर सिटी मॉल स्थित स्टोर से 16 लाख रुपये का सामान चोरी हो गया। बदमाशों ने स्टोर का दरवाजा तोड़कर घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रविंद्र चौहान ने गौर सिटी मॉल स्थित रिलायंस स्मार्ट बाजार में मैनेजर हैं। उन्होंने बिसरख कोतवाली पहुंचकर बताया कि उनके स्टोर से कुछ दिनों से घी के डिब्बे, बादाम की पैकेट, क्रीम, बटर, लोशन, कीमती कपड़े और अन्य सामान चोरी हो रहा है। पीड़ित के अनुसार स्टोर से अब तक करीब 16 लाख रुपये का सामान चोरी हो चुका है ।वहीं, बिसरख कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि, चोरी का कोई वीडियो अभी तक सामने नहीं आया है। जांच के बाद

नोएडा में पीजी संचालिका ने लड़की से मारपीट की

नोएडा। नोएडा सेक्टर 62 के राजहोम्स पीजी में रहने वाली एक लड़की का संचालिका ने हाथ मरोड़ कर उसे थप्पड़ जड़ दिया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पीड़िता ने सेक्टर 58 थाने में पीजी संचालिक के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस आरोपित संचालिक के खिलाफ एनसीआर दर्ज कर जांच कर रही है। वीडियो एक मिनट से ज्यादा का है।

इस घटना ने पीजी में रहने वाले तमाम लोगों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह लापरवाही जब है तब पीजी में खराब खाना देने, लापरवाही के चलते आग लगने जैसे मामले सामने आ चुके हैं। नोएडा सेक्टर 62 में रितु और विपिन कुमार राजहोम्स के नाम से पीजी चलाते हैं।

पीजी में लड़कियां रहती हैं। पीजी के एक मिनट 13 सेकेंड के वीडियो में रिसेप्शन के पास रितु दिल्ली की अनामिका का हाथ मरोड़ते हुए थप्पड़ मार रही है। यह सब नजारा पीजी में लगे शीशे से साफ दिख रहा है। एक युवक बाहर से वीडियो बनाते हुए मदद मांग रहा है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने यूपीएसआरटीसी से किया एमओयू

नोएडा, आगरा, मथुरा, अलीगढ़ और हाथरस तक मिलेंगी बस, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी बढ़ेगी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रदेश के प्रमुख शहरों से भी जुड़ जाएगा। ये नेटवर्क बस सेवाओं का होगा। इसके लिए गुरुवार को एयरपोर्ट प्रबंधन ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के साथ एक मैमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग किया है। जिसके तहत एयरपोर्ट से सीधे बस रूट शुरू किए जाएंगे।

इन शहरों को मिलेगी कनेक्टिविटी

इस पहल के तहत नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाज़ियाबाद, आगरा, अलीगढ़, मथुरा-वृंदावन और हाथरस जैसे प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक शहरों के लिए सीधी बस सेवाएं मिलेंगी। इसके अलावा नेटवर्क बुलंदशहर, फिरोज़ाबाद, फर्रुखाबाद, हापुड़, मुरादाबाद और शिकोहाबाद तक किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को अंतिम मील तक सुविधाजनक पहुंच मिलेगी।

एनआई ए-मथुरा-वृंदावन-एनआईए

एनआईए-आगरा-एनआईए

एनआईए-हाथरस- एनआईए

एनआईए-अलीगढ़- एनआईए शामिल हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ़ शनेलमान ने कहा, यूपीएसआरटीसी के साथ साझेदारी से यात्रियों के लिए एयरपोर्ट तक और वहां से यात्रा करना बेहद आसान हो जाएगा।

हमारी प्राथमिकता है कि हर यात्री को निर्बाध और आरामदायक अनुभव मिले, और यह पहल हमें उस दिशा में और सशक्त बनाती है। जैसे-जैसे हम अपने पहले यात्रियों का स्वागत करने के करीब पहुंच रहे हैं, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करना हमारे प्रमुख लक्ष्यों में से एक है।

इनसे हो चुकी साझेदारी

एयरपोर्ट इससे पहले हरियाणा रोडवेज, उत्तराखंड परिवहन निगम और दिल्ली परिवहन निगम के साथ भी साझेदारी कर चुका है, जिसके माध्यम से दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, चंडीगढ़, देहरादून और हरिद्वार तक सीधी बस सेवाएं उपलब्ध हैं। इन सभी प्रयासों के बाद एनआईए अब चार राज्यों के 25 से अधिक शहरों से जुड़ चुका है, जिससे एक मजबूत मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क तैयार हुआ है।

करनाल में करोड़ों की ठगी का मास्टरमाइंड अरेस्ट

पैसा डबल करने का लालच देकर कराया निवेश, नोएडा का रहने वाला है आरोपी

घरौंडा, करनाल। करनाल में फर्जी कंपनियां खड़ी कर लोगों को झांसे में लेकर करोड़ों का निवेश करवाने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से लोगों को जल्दी पैसे डबल करने का लालच देकर रकम हड़प रहा था।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने उसकी गतिविधियों पर नजर बनाई हुई थी। टीम ने रणनीति के तहत आरोपी को पकड़ा और कोर्ट में पेश कर रिमांड मंजूर करवाया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ठगी के इस खेल में और कौन-कौन शामिल रहा तथा निवेश की गई रकम कैसे बांटी गई।

नोएडा निवासी है आरोपी, कई राज्यों में फैलाया जाल

थाना सेक्टर 32/33 पुलिस की टीम ने प्रभारी मनोज कुमार और एसआई निरंजन कुमार के नेतृत्व में आरोपी को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया व्यक्ति नोएडा जिले का रहने वाला है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने पहले एक कंपनी तैयार की, जिसमें कम समय में दस से तीस

प्रतिशत तक मुनाफा देने का दावा किया गया। आसान और तेज कमाई के झांसे में आकर कई लोगों ने अपनी गाढ़ी कमाई वहां निवेश कर दी।

पहली कंपनी बंद कर दूसरी शुरू कर दी थी आरोपी ने

शिकायतकर्ता और उसके साथियों ने वर्ष 2023 में करीब 70 लाख रुपए वहां लगाए थे। कुछ समय बाद आरोपी ने कंपनी में समस्या आने का बहाना बनाकर उसे बंद कर दिया। इसके बाद उसने दूसरी कंपनी शुरू कर दी और उसका नाम बदलकर एक नई योजना शुरू की।

इस नई ट्रिक में भी कई लोग फंस गए और फिर से लाखों रुपए निवेश कर बैठे। वर्ष 2024 में शिकायतकर्ता व उसके साथियों ने लगभग पचास लाख रुपए और लगा दिए।

कंपनी बंद कर रकम साथियों में बांट दी और फरार हो गया था मास्टरमाइंड

जांच अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने दोनों कंपनियां बंद कर दीं और निवेश की गई रकम अपने साथियों में बांटकर फरार हो गया। पुलिस को जब शिकायत मिली तो सेक्टर 32/33 थाने में मामला दर्ज किया गया। उसके बाद टीम ने तकनीकी जांच और गुप्त सूचनाओं के आधार पर आरोपी को पकड़ लिया।

रिमांड में होंगे कई अहम खुलासे

कोर्ट ने आरोपी का पांच दिन का पुलिस रिमांड मंजूर किया है। पुलिस उसकी कस्टडी में उन सभी लोगों की जानकारी जुटा रही है, जिनके साथ मिलीभगत कर उसने करोड़ों रुपए अपने कब्जे में किए।

पुलिस का कहना है कि रिमांड पर पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है और बाकी आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

ट्रक ने बाइक सवार बुजुर्ग को मारी टक्कर

जेवर। ग्रेटर नोएडा के जेवर कस्बे के पास सोमवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक बुजुर्ग की मौत हो गई। अलीगढ़ के टप्पल निवासी नकी मोहम्मद दवा लेकर घर लौट रहे थे, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल नकी मोहम्मद ने गुरुवार को इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, नकी मोहम्मद कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे और दवा लेने के लिए जेवर आए थे। लौटते समय ट्रक की भीषण टक्कर से उनकी बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और वे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद परिजन उन्हें तुरंत ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने कई दिनों तक इलाज किया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। बेटे अब्दुल हसन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि यह हादसा ट्रक चालक की लापरवाही के कारण हुआ है। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि पीड़ित परिवार की तहरीर पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

नोएडा में दिनदहाड़े दबंगों ने की फायरिंग : दशहत में ग्रामीण

नोएडा। सेक्टर-113 थाना क्षेत्र के सोरखा गांव में गुरुवार दोपहर संपत्ति और लेनदेन के विवाद में भतीजों ने मिलकर ताऊ को पीटकर घायल कर दिया।

आरोपियों ने दिनदहाड़े हथियार लहराते हुए हवाई फायरिंग की। घटना के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घात लगाकर किया हमला

कृपाल यादव और सुरेंद्र यादव भाई हैं। कृपाल बड़े और सुरेंद्र छोटे हैं। दोनों भाईयों के बीच कई साल पहले संपत्ति का बंटवारा हो चुका है, लेकिन विवाद अभी भी बना हुआ है। दोनों पक्षों के बीच मुकदमेबाजी और रुपयों के लेनदेन का भी विवाद है।

विकास यादव का कहना है कि गुरुवार दोपहर पिता कृपाल यादव बाइक लेकर कहीं जा रहे थे।

घर से कुछ ही दूरी पर घात लगाए बैठे चाचा सुरेंद्र यादव और उनके पुत्र हर्ष, लविश, शिवांश ने हमला कर दिया। आरोपियों ने लाठी-डंडों से पीटकर उन्हें घायल कर दिया। वह किसी तरह बचकर घर पहुंचे।

पांच पर मुकदमा दर्ज

आरोप है कि हर्ष, लविश और शिवांस ने अवैध हथियार से फायरिंग और पथराव किया।

पीड़ित पक्ष के लोगों ने मोबाइल से इसके वीडियो भी बना लिए। आरोपियों द्वारा दिनदहाड़े की फायरिंग से आसपास के लोग भयभीत हो गए।

गनीमत रही कि गोली छतों पर खड़े किसी व्यक्ति को नहीं लगी। सूचना पर पुलिस पहुंची तो आरोप भाग गए।

परिजन के मुताबिक, कृपाल यादव का अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। पीड़ित पक्ष की ओर से सुरेंद्र यादव, हर्ष यादव, लविश यादव, शिवांश और गीता यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्रेटर नोएडा में इमारत ढहने से 4 लोगो की मौत

4 के खिलाफ केस 1 आरोपी गिरफ्तार

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा थाना क्षेत्र के नगला हुकुम गांव में बुधवार को एक इमारत ढहने से चार लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में कई मजदूर घायल भी हुए, जिनका उपचार जारी है। पुलिस ने मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

घटना के संबंध में पुलिस ने गुरुवार शाम एक आरोपी मनोज माहेश्वरी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी और भवन का निर्माण अवैध तरीके से हो रहा था।

पुलिस ने मकान मालिक महावीर, उनकी पत्नी राजबाला, गौरव और मनोज माहेश्वरी के खिलाफ लापरवाही

और निर्माण मानकों के उल्लंघन की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। रबूपुरा कोतवाली प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि यह हादसा अवैध निर्माण के कारण हुआ, जिसकी जांच जारी है। प्रशासन ने भविष्य में ऐसे निर्माण कार्यों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

हादसे में जान गंवाने वालों में जीशान (22), शाकिर (38) और कामिल (20) शामिल हैं, जो मोहल्ला रावलपट्टी, नई बस्ती, थाना जेवर, गौतमबुद्धनगर के निवासी थे। चौथे मृतक की पहचान नदीम (25) पुत्र निजामुद्दीन के रूप में हुई है, जो कालछिना, मोदीनगर, गाजियाबाद का रहने वाला था।

जेवर में सरदार पटेल जयंती पर यूनिटी मार्च

जेवर। जेवर में गुरुवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर यूनिटी मार्च निकला। इसमें स्कूली बच्चों, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। यूनिटी मार्च की शुरुआत विधायक धीरेंद्र सिंह ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके की। विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने का महत्वपूर्ण कार्य किया था। यह मार्च राष्ट्रीय एकता और अखंडता के महत्व को याद दिलाता है। विधायक ने सभी ग्रामीणों और युवाओं का सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। मार्च के दौरान प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता से जुड़े नारे लगाए और समाज में भाईचारे का संदेश दिया। यह रैली कस्बे के प्रमुख मार्गों से होते हुए समाप्ति स्थल पर पहुंची, जहाँ सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासनिक टीम लगातार मौजूद रही।

भंगेल एलिवेटेड की 60 किमी स्पीड लिमिट

नाइस बैरियर लगाए जाएंगे, सेक्टर-82 के पास चौड़ी की जाएगी सड़क

नोएडा। भंगेल एलिवेटेड रोड को वाहनों के ट्रायल के लिए खोल दिया। इस बीच इंजीनियरों की टीम रोड पर तकनीकी कमियों को बारीकी से जांच की। एलिवेटेड पर चढ़ने और उतरने के लिए ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाएगा। इसके लिए पुलिस विभाग को बताया गया है। साथ ही एलिवेटेड पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। इसके अलावा अभी इसकी स्पीड लिमिट 60 किमी प्रतिघंटा रखी गई है। साथ ही एलिवेटेड के दोनों ओर नॉइस बैरियर लगाया जाएगा। ताकि आसपास के लोगों को दिक्कत न हो।

दादरी-सूरजपुर-छलेरा यानी डीएससी मार्ग पर एलिवेटेड शुरू होने से लोगों का नोएडा से ग्रेटर-नोएडा होकर सूरजपुर की तरफ सफर आसान हो जाएगा। हालांकि जानकारी कम होने की वजह से इस पर इतना ट्रैफिक नहीं है। लेकिन आने वाले दिनों में एक्सप्रेस वे से ग्रेटर नोएडा जाने वाले वाहन इस एलिवेटेड के जरिए जाएंगे। जिससे एक्सप्रेस वे पर ट्रैफिक भार कम हो जाएगा। वहीं अगाहपुर से

चढ़कर सेक्टर-82 पर उतरते ही नाले की पुलिया को चौड़ा किया जाएगा। पुलिया को चौड़ा करने के काम सिचाई विभाग करेगा। इस पर 5 करोड़ खर्च होंगे।

ट्रायल के लिए खोला गया

उप महाप्रबंधक विजय रावल ने बताया कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. लोकेश एम ने 4.50 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड को ट्रायल के लिए खोला गया है। इस बीच तकनीकी कमियों को परखा गया। ये एलिवेटेड 6 लेन की है। इसको बनाने में करीब 608.08 करोड़ रुपए खर्च किए गए। जुलाई 2023 में काम की रफ्तार कम हुई। लेकिन बाद में इसे पूरा किया गया।

चढ़ने उतरने के लिए बनाए जाएंगे दो लूप

इस एलिवेटेड रोड के लिए सेक्टर-49-107 चौराहे पर दोनों ओर दो-दो लूप बनाया जाना प्रस्तावित है। सेक्टर-37 से आकर सेवन एक्स सेक्टरों की ओर जाने के लिए हनुमान मूर्ति के पास लूप उतरेगा। इसी तरह सेवन एक्स से फेज टू की ओर से सूरजपुर की ओर जाने वालों के लिए लूप चढ़ाया जाएगा। इसके दूसरी तरफ सेक्टर-107 की ओर चढ़ने-उतरने के लिए लूप बनाए जाएंगे।

एसआईबी की टीम ने पकड़ी 25 लाख रुपये की टैक्स चोरी

पीलीभीत/पूरनपुर। केवल कागज़ों में कारोबार दिखाकर बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी की शिकायत पर बुधवार को एसआईबी की टीम ने नगर के एक लोहा व्यापारी के प्रतिष्ठान पर छापेमारी की। देर शाम शुरू हुई कार्रवाई देर रात तक चलती रही।टीम की शुरुआती जांच में करीब 25 लाख रुपये की टैक्स चोरी और एक अलग गोदाम में लाखों रुपये मूल्य के लोहे के अवैध भंडारण का खुलासा हुआ, जिससे व्यापार जगत में खलबली मच गई।

एसआईबी के डिप्टी कमिश्नर अनिरुद्ध सिंह के नेतृत्व में टीम ने एलआईसी तिराहा के पास स्थित सुपर ग्रिल हाउस पर छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार, व्यापार मंडल के एक सदस्य द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें बताया गया था कि व्यापारी कागज़ों में फर्जी बिक्री-करीद दिखाकर लाखों रुपये का टैक्स बचा रहा है। शिकायत में एक दर्जन से अधिक फर्जी बिल बुकों का भी उल्लेख किया गया था। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर सर्च वारंट लेकर टीम प्रतिष्ठान पहुंची और अभिलेखों की जांच शुरू की।

पड़ताल के दौरान टीम को प्रतिष्ठान से अलग एक गोदाम में बड़ी मात्रा में लोहा भंडारित मिला, जिसकी कोई वैध प्रविष्टि नहीं मिली। टीम ने खरीद-बिक्री से जुड़े दस्तावेज मांगे और रिकॉर्ड में कई अनियमितताएं पाई गईं। शुरूआती जांच में 25 लाख रुपये की टैक्स चोरी की पुष्टि की गई है।छापेमारी की जानकारी मिलते ही उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष हंसराज गुलाटी मौके पर पहुंचे और बिना पूर्व सूचना के की गई कार्रवाई पर आपत्ति जताई। हालांकि अधिकारियों का कहना था कि शिकायत के आधार पर कानूनी प्रक्रिया के अनुसार सर्च वारंट जारी कर कार्रवाई की गई है।

डिप्टी कमिश्नर अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री पोर्टल से प्राप्त शिकायत में फर्जी बिलों के जरिए कारोबार दर्शाकर टैक्स चोरी तथा लोहे के अवैध भंडारण का आरोप लगाया गया था।

आरंभिक कार्रवाई में उक्त जानकारी सही पाई गई है। अवैध गोदाम की भी विस्तृत जांच की जा रही है। टीम देर रात तक अभिलेखों की जांच में जुटी रही।

दबंगों ने खेत में जबरन जोतकर बनाया रास्ता, पीड़ित ने लगाई गुहार

बीसलपुर। दियोरिया कला निवासी शकील पुत्र लल्ला खां ने दबंगों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने उसके खेत में जबरन रास्ता बनाने के लिए फसल जोत दी है। शकील के मुताबिक उसके गाटा संख्या 226 व 239 पर स्थित खेत तक पहले से चक मार्ग मौजूद है, लेकिन कुछ लोग दबाव बनाकर उसके खेत से नया रास्ता निकालने की कोशिश कर रहे हैं।मना करने पर आरोपियों ने झगड़े पर आमादा होते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने तहसीलदार को शिकायती पत्र देकर टीम भेजकर मौके की पैमाइश कराने और दबंगई रोकने की मांग की है। मामले की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में तनाव का माहौल है और पीड़ित परिवार प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रहा है।

जिलाधिकारी ने बीआरसी सेंटर का औचक निरीक्षण, डिजिटाइजेशन कार्यों में तेजी के निर्देश

पीलीभीत। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने गुरुवार को सदर तहसील स्थित बीआरसी सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विधानसभा-127 और 128 से जुड़े डिजिटाइजेशन कार्यों की प्रगति देखी और अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पूरा होना चाहिए। उन्होंने बताया कि जन-सामान्य की सुविधा के लिए आयोग ने ceouttarpradesh.nic.in पर वर्ष 2003 की निर्वाचक नामावली उपलब्ध कराई है, जिसे डाउनलोड कर अपना नाम देखा जा सकता है। साथ ही voters.eci.gov.in पर उपलब्ध एन्यूमरेशन फॉर्म में आवश्यक विवरण भरकर ऑनलाइन प्रपत्र जमा करने की सुविधा भी दी गई है।उन्होंने आमजन से अपील की कि वे स्वयं भी ऑनलाइन एसआईआर प्रणाली के माध्यम से अपने आवेदन पत्रों में निर्धारित जानकारी भरकर अपलोड करें, ताकि कार्य पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो सके।

शार्ट न्यूज

संतों ने फिर शुरू की भूख हड़ताल

बीसलपुर। ढाकुलिया बाबा स्थान पर पूजा-अर्चना शुरू कराए जाने की मांग को लेकर संतों ने एक बार फिर भूख हड़ताल शुरू कर दी है।गांव सखिया स्थित ढाकुलिया बाबा स्थान पर पहले भी 90 दिन तक मेला चला था और श्रद्धालुओं की मन्नतें पूरी होने की बात कहकर संतों ने पूजा व्यवस्था बहाल करने की मांग उठाई थी।संत सतगिरी महाराज के नेतृत्व में तब शुरू हुई भूख हड़ताल प्रशासन के आश्वासन पर खत्म हुई थी, लेकिन दो महीने बीतने के बाद भी प्रशासन ने रास्ते से पुलिस नहीं हटाई है। पुलिस बल तैनात होने की वजह से श्रद्धालुओं का यहां आना-जाना बंद है।इसी नाराजगी के चलते संतों ने आज फिर से भूख हड़ताल शुरू कर दी है। उनका कहना है कि 25 नवंबर तक पूजा-अर्चना बहाल न की गई और पुलिस नहीं हटाई गई तो वे बड़ा कदम उठाने को मजबूर होंगे। क्षेत्र में इस मुद्दे को लेकर चर्चाएं तेज हैं।

खेत में मिले बाघ के पदचिन्ह, किसानों में दहशत

बीसलपुर। दियोराजपुर गांव में जंगल के किनारे स्थित खेत में बाघ के पदचिह्न मिलने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। पीलीभीत टाइगर रिजर्व अंतर्गत दियोरिया रेंज के इस क्षेत्र में मेवाराम प्रजापति के खेत में आज सुबह साफ दिखाई दिए पदचिह्नों ने लोगों को चिंतित कर दिया। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और वन विभाग को खबर दी, लेकिन समाचार लिखे जाने तक विभागीय टीमें मौके पर नहीं पहुंच सकी थीं। ग्राम पंचायत दियोराजपुर जंगल के बिल्कुल पास बसी है और यहां तार फेंसिंग न होने के कारण जंगली जानवर अक्सर खेतों की ओर आ जाते हैं। इन दिनों गन्ना छिलाई व गेहूं की बुवाई का समय होने से किसान खेतों में लगातार मौजूद रहते हैं, ऐसे में बाघ के पदचिह्न देखे जाने पर भय का माहौल बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जल्द तार फेंसिंग न कराए जाने पर किसी बड़ी घटना की आशंका बढ़ सकती है।उधर भाजपा टिकरी मंडल मंत्री डॉ. प्रेम शंकर मौर्या ने केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद को ज्ञापन सौंपकर मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए जंगल के किनारों पर शीघ्र तार फेंसिंग कराने की मांग उठाई है।

पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया

ललितपुर। कोतवाली पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एंव क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली पुलिस द्वारा कोतवाली ललितपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 0660/2023 धारा 420/406 भादवि के वांछित अभियुक्त दीपक रावत पुत्र रामकिशोर रावत उम्र करीब 25 वर्ष निवासी भरतपुरा हाउस के बगल वाली गली मुहल्ला आजादपुरा ललितपुर थाना कोतवाली ललितपुर को 19.11.2025 को NEAR AMBA CINEMA SHAKTI NAGAR दिल्ली नार्थ से नियमानुसार गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा हेतु मा0 न्यायालय , ललितपुर भेजा गया है । गिरफ्तार करने वाली टीम उ. नि. संजय कुमार दुबै चौकी प्रभारी जेल हे. का. भानुप्रताप का. छोटू कुमार आदि शामिल रहे।

छात्रा का होमवर्क न पूरा होने पर हाथ तोड़ा

फतेहपुर। फतेहपुर में सरकारी टीचर ने 8वीं की छात्रा का पीट-पीटकर हाथ तोड़ दिया। लड़की ने होमवर्क पूरा नहीं किया था। इससे गुस्साए टीचर ने प्लास्टिक के पाइप से उसके हाथ पर 25-30 वार किए। छात्रा चिल्लाती रही लेकिन टीचर नहीं रुका। उसने कहा- चाहे जिससे शिकायत कर दो। कोई मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता। घटना जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर थरियांव के जूनियर हाईस्कूल लतीफपुर, भिठौरा की है। छात्रा का अस्पताल में इलाज चल रहा है। बीएसए ने मामले में खंड शिक्षा अधिकारी को जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, छात्रा की मां की शिकायत पर पुलिस ने टीचर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। थरियांव के करमचंद्रपुर सांडा गांव के रहने वाले याकूब की बेटी नौशीन फातिमा भिठौरी के लतीफपुर जूनियर हाईस्कूल में पढ़ती है। 8वीं की छात्रा ने बताया- वह सोमवार को इंग्लिश ट्रांसलेशन का होमवर्क करना भूल गई थी। दोपहर 12 से 1 बजे के बीच पीरियड में अंग्रेजी के टीचर अरुण ने पूछा- होमवर्क क्यों नहीं पूरा हुआ? मैंने जवाब दिया कि मास्टर साहब भूल गई थी। यह सुनते ही वह मेरे ऊपर आगबबूला हो गया।

फौजी ने युवक-युवती को म्यांमार में बेचा

हाथरस। हाथरस पुलिस ने एक ऐसे साइबर ठग को गिरफ्तार किया है, जिसने मर्चेंट नेवी में नौकरी का झांसा देकर युवती और युवक से 6 लाख रुपए ठग लिए। इतना ही नहीं, आरोपी ने दोनों को थाईलैंड के जरिए म्यांमार में साइबर अपराधियों को बेच दिया। उन्हें वहां करीब दो महीने तक बंधक बनाकर रखा गया। भूखा-प्यास रखा जाता था। मारपीट की जाती थी। दोनों से 18-18 घंटे साइबर ठगी का काम कराया जाता था। किसी तरह उन्होंने मौका पाकर भारतीय दूतावास से संपर्क किया। इसके बाद वह भारत पहुंचे। आरोपी के खिलाफ शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी भारतीय सेना से रिटायर्ड है। मामला थाना सादाबाद क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, हाथरस के थाना सादाबाद क्षेत्र के रहने वाली राखी और उसके साथी हरीश ने तमिलनाडु के इमानुअल अरसर इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई से जीपी रेटिंग कोर्स किया है। मर्चेंट नेवी में नौकरी की तलाश में थे। इसी दौरान उन्हें एक विज्ञापन के जरिए संजय राणा नाम के व्यक्ति का पता चला, जिसने खुद को 'मर्लिन मैनेजमेंट एंड एजुकेशन सेंटर' का निदेशक बताया।

मासूम की मौत के बाद सड़क जामकर प्रदर्शन

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के अहिरौला थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से मासूम की मौत का मामला सामने आया है। यह हादसा उस।वक्त हुआ जब प्रभात उर्फ अर्पित 10 पुत्र धर्मेंद्र कुमार अपने घर के निकट खेल रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर की आवाज सुनते ही आसपास के बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। और गंभीर रूप से घायल मासूम को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम करके प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। देर रात्रि लगभग 2 घंटे तक सड़क जाम रही मामले की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने समझा बूझाकर किसी तरह से सड़क जाम को खाली कराया। घटना को अंजाम देने के बाद ट्रैक्टर ड्राइवर मौके से फरार हो गया जबकि ट्रैक्टर को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

लखनऊ के व्यापारी से 2 करोड़ की धोखाधड़ी

गोरखपुर। गोरखपुर में लखनऊ के व्यापारी के साथ 2 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। लखनऊ के गोमतीनगर पटेलपुरम निवासी व्यापारी हिरण्यगर्भ द्विवेदी ने आरोप लगाया है कि दो करोड़ रुपये लेकर मकान दिलाने का झांसा देने और रकम वापस मांगने पर कनपटी पर बंदूक रखकर जान से मारने की धमकी दी गई। कैंट थाने की पुलिस ने व्यापारी की तहरीर पर नई दिल्ली के बसंतकुंज निवासी संतोष शर्मा, उसके बेटे भरत भारद्वाज समेत चार अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुशीनगर के पटहेरवा थाना क्षेत्र के अमवा श्रीदूबे निवासी हिरण्यगर्भ द्विवेदी लखनऊ के पटेलपुरम में रहते हैं। हिरण्यगर्भ द्विवेदी ने बताया कि वह हाइसेन मार्केटिंग लिमिटेड के निदेशक हैं, जिसकी शाखाएं लखनऊ, नोएडा और गोरखपुर में संचालित होती हैं।

पुलिस ने चेहरे पर लौटाई मुस्कान 6 लोगों को वापस मिले खोये हुए मोबाईल

ललितपुर । पुलिस ने विभिन्न जगहों पर खोये 6 मोबाइल खोजकर गुरुवार को उनके मालिकों को वितरित किये, जिसके बाद लोगों ने खुशी का इजहार किया। बांटे गये मोबाइलों की कीमत 91,200 रुपये आंकी गई। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी महरौनी आशीष मिश्रा के पर्यवेक्षण में थाना महरौनी के साइबर हेल्प डेस्क पर गिरे / खोये हुए मोबाइल फोन के सम्बन्ध में प्राप्त प्रार्थना पत्रों में नियमानुसार गुमशुदगी अंकित की गयी थी । थाना महरौनी की साइबर हेल्प डेस्क पुलिस टीम ने पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रपत्रों का अवलोकन कर त्वरित व प्रभावी कार्यवाही करते हुए भारत सरकार द्वारा संचालित CEIR पोर्टल पर सम्बंधित मोबाइल फोन की डिटेल अपलोड किया गया व मोबाइल फोन के IMEI नम्बरों को रन कराया गया । सम्बंधित एजेंसियों के माध्यम से प्राप्त डेटा का अवलोकन व विश्लेषण कर प्राप्त जानकारी के आधार पर 06 गिरे हुए / खोये हुए मोबाइल फोन्स बरामद कर उनके स्वामियों को सुपुर्द किया गया। पीड़ितों के मोबाइल फोन उन्हें वापस मिलने पर , उनके द्वारा पुलिस अधीक्षक , ललितपुर व थाना महरौनी पुलिस की भूरि - भूरि प्रशंसा की गयी।

सेहरामऊ पुलिस ने दो कुख्यात गौकशी आरोपियों को किया गिरफ्तार

अवैध तमंचे बरामद, दोनों के खिलाफ लंबा आपराधिक इतिहास उजागर

पीलीभीत। सेहरामऊ उत्तरी पुलिस ने गुरुवार को बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो कुख्यात गौकशी आरोपियों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी लंबे समय से पुलिस के रिकॉर्ड में कुख्यात अपराधियों की सूची में शामिल थे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मुजीब पुत्र यासीन और जावेद पुत्र मोहम्मद हनीफ, निवासी ग्राम शेरपुर, थाना पूरनपुर के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने उनके कब्जे से 315 बोर के एक-एक अवैध तमंचे और दो-दो

जिंदा कारतूस बरामद किए।पुलिस ने मुजीब के खिलाफ मु0अ0सं0 158/2025 तथा जावेद के खिलाफ मु0अ0सं0 159/2025 के तहत आयुध अधिनियम की धारा 3/25 में मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह के अनुसार, दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर दिया गया।पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि दोनों आरोपी गौवध एवं अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में भी निरंतर सक्रिय थे। मुजीब के खिलाफ अब तक कुल 18 मुकदमे दर्ज पाए गए हैं, जिनमें गौवध अधिनियम की धारा 3/5/8, गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, पशु क्रूरता, मारपीट, धमकी और अवैध असलहा रखने जैसे मामले शामिल हैं।जावेद के खिलाफ भी 10 संगीन मुकदमे दर्ज हैं, जिसमें गौवध अधिनियम, पशु क्रूरता, धारा 307 (जानलेवा हमला), धारा 398/401 (डकैती की तैयारी/गिरोह), गैंगस्टर एक्ट और आयुध अधिनियम के प्रकरण शामिल हैं।

बीसलपुर में सैटेलाइट रोडवेज बस स्टैंड की स्थापना को तेज हुए प्रयास

बीसलपुर। नगर में सैटेलाइट रोडवेज बस स्टैंड की स्थापना की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। बीसलपुरङ्कपीलीभीत मार्ग पर सहकारिता विभाग की करोड़ों रुपये मूल्य की खाली पड़ी भूमि पर बस स्टैंड बनाए जाने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि लगातार प्रयास कर रहे हैं।विधायक विवेक वर्मा पहले ही शासन को प्रस्ताव भेज चुके हैं और अब उन्होंने पुन: मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर इसकी स्वीकृति देने का अनुरोध किया है। जिला पंचायत सदस्य प्रियंका गंगवार ने भी मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद दोबारा पत्र भेजकर इसी मांग को रखा है। उन्होंने बताया कि वह शीघ्र ही अपने पति भाजपा नेता डॉ. रत्नेश गंगवार के साथ पुन: मुख्यमंत्री से मिलने जाएंगी।

पुराना रोडवेज बस स्टैंड आबादी के घनी बस्ती में होने और बाईपास न होने के कारण वर्षों से शोपीस बना हुआ है। बसों के नियमित संचालन न होने से यात्रियों को भारी परेशानी होती है और डग्गामार वाहन मनमानी किराया वसूलते हैं।स्थानीय व्यापारी नेता राकेश चंद मित्तल, दीपक अग्रवाल, विमल शर्मा और सुरेश चंद्र अग्रवाल सहित नागरिकों ने भी कहा कि नए बस स्टैंड से यातायात व्यवस्था सुधरेगी और बाहर से आने वाले व्यापारियों व यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। किसान नेता देव स्वरूप पटेल ने भी केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को ज्ञापन देकर इसकी मांग दोहराई है।

आगरा दीवानी में भाकियू नेता पर हमला

आगरा। आगरा के दीवानी में वकीलों के विवाद के बाद गुरुवार शाम को परिचित के साथ तारीख पर आए किसान नेता पर वकील ने हमला बोल दिया। आरोप है कि किसान नेता व उसके भाई को कमरे में बंद कर बुरी तरह से पीटा गया। हथियार भी लहराए गए। घटना के बाद दीवानी में कई थानों का फोर्स पहुंच गया। पीडित की ओर से आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर दी गई है। दीवानी में लगातार हो रहे विवाद से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन भानू के युवा प्रदेश अध्यक्ष पवन समाधिया ने बताया कि गुरुवार दोपहर को वो अपनी रिश्ते की बहन पूजा के साथ न्यायालय में तारीख पर आए थे। पूजा का तलाक, भरण पोषण का केस विकास पचौरी से चल रहा है। वर्तमान में विकास दीवानी न्यायालय में अधिवक्ता के चैंबर में बैठता है। विकास ने दो दिन पहले भी पूजा के साथ मारपीट व अभद्रता की थी। बहन का केस लड़ रहे अधिवक्ताओं के साथ भी मारपीट की। गुरुवार को भी वो वकीलों के साथ मारपीट कर चुका था। दोपहर करीब तीन बजे सभी लोगों को दीवानी परिसर से बाहर निकाल जा रहा था। ऐसे में वो एक दूसरे वकील के चैंबर में बैठे थे।

प्रयागराज के नामी स्कूल में 10वीं के छात्र की मौत

प्रयागराज। प्रयागराज के इंडियन पब्लिक स्कूल में हाईस्कूल के एक छात्र की मौत हो गई। वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था।

छात्र सुबह स्कूल गया था। दोपहर में क्लासमेट ने उसकी तबीयत बिगड़ने की परिवार को जानकारी दी थी। इसके बाद परिवार स्कूल पहुंचा। तब तक स्कूल प्रशासन उसे अस्पताल लेकर चला गया था।

परिवार ने आरोप लगाया कि उनका बेटा स्कूल में मर गया था। स्कूल प्रबंधन ने उसके शव को प्राइवेट अस्पतालों में घुमाया। बाद में स्वरूपरानी अस्पताल में ले गए, जहां मृत घोषित कर दिया गया।

छात्र के मामा ने कहा- भांजे के हाथ पर चोट के निशान मिले हैं। उसे करंट लगाकर मारा गया है। परिजनों ने प्रयागराज के इस नामी स्कूल के मैनेजमेंट के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है।

मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। अभी रिपोर्ट नहीं आई है। घटना ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र के इंडियन पब्लिक स्कूल की है।

धूमनगंज थाना क्षेत्र के भोला का पूरा निवासी किसान अमर सिंह का 14 वर्षीय बेटा शिवम इंडियन पब्लिक स्कूल, ट्रांसपोर्ट नगर में 10वीं कक्षा का छात्र था।

मथुरा में कर्ज चुकाने के लिए साध्वी का मर्डर

मथुरा। मथुरा में जिम मालिक ने कर्ज चुकाने के लिए साध्वी की गला दबाकर हत्या कर दी गई। हत्या के बाद शव को जला दिया, ताकि पुलिस को कोई सबूत न मिल सके। 11 महीने तक केस रहस्य बना रहा। बुधवार देर शाम पुलिस ने मामले का खुलासा कर मुख्य आरोपी अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया। साध्वी चंद्रमुखी देवी उर्फ चित्रा दासी (70) 35 साल से वृंदावन के गोशाला नगर में रहती थीं। 10 साल पहले उनके पति की मौत हो गई थी। इसके बाद से अकेले रह रही थीं। साध्वी के मकान के पीछे बने बेसमेंट में अभिषेक जिम चलाता था। उस पर जिम का सामान खरीदने और निजी लेनदेन में भारी कर्ज हो गया था।

यातायात पुलिस ने बालिका इंटर कॉलेज में चलाया जागरूकता अभियान : डिजिलॉकर ऐप के बारे में दी गई जानकारी

ललितपुर। यातायात पुलिस ने गुरुवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में छात्राओं के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देश के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निर्देशन में ,यातायात प्रभारी आलोक कुमार तिवारी द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज में छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से छात्राओं/ विद्यालय स्टाफ को हेलमेट, सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग, गलत दिशा में वाहन न चलाना, दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठाना, सड़क पर

स्टंटबाजी न करना, राहवीर योजना, हिट एंड रन के मामले में सरकार द्वारा दी जा रही आर्थिक सहायता के बारे में विस्तार से बताया गया।

इसी क्रम में यातायात पुलिस ललितपुर द्वारा शहर भर में वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। विभिन्न चौराहों पर चलाये गए जागरूकता अभियान में नियमों का पालन कर रहे वाहन चालकों को गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया, जबकि नियम विरुद्ध वाहन के संचालन करने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया।प्रवर्तन कार्यवाही के अंतर्गत 249 वाहनों का चालान किया गया व 04 वाहनों को सीज किया गया।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-05 अभियान के अंतर्गत जनपद के थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र एवं एंटी रोमियो टीम द्वारा बस अड्डों, बाजारों, पार्कों, स्कूलों व गाँव-गाँव आदि जगहों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता, यौन उत्पीड़न से बचाव व उसके खिलाफ आवाज उठाने, साइबर अपराध से बचाव के तरीके, महिलाओं व किशोरियों के कानूनी अधिकार व हेल्प लाइन से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की । आपात स्थिति में सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर्स 1090 वूमेन पावर लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन , 181 महिला हेल्पलाइन , 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102

स्वास्थ्य सेवा, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन साइबर अपराध से बचाव के लिए निम्न जानकारियाँ दी गई। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें । कभी भी अनजान व्यक्ति को अपना बैंक डिटेल, ओटीपी आदि मांगने पर कभी न दें । सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते । किसी भी पोस्ट की सच्चाई जाने विना उसे फोरवर्ड व शेयर न करें । अनजान लोगो की फ्रैन्ड रिक्वेस्ट आने पर उसे एक्सेप्ट न करें । कॉल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए ऑफर, लालच, या धमकी पर विश्वास न करें । प्लेस्टोर से जैनुइन app ही download करें, प्लेस्टोर के अलावा कहीं से भी app download न करें । महिलाओं को उनकी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु शासन द्वारा चलाये जा रही योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, वन स्टाप सेन्टर, आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

हमीरपुर में भतीजे ने चाची को कुल्हाड़ी से काट डाला

हमीरपुर। हमीरपुर में भतीजे ने अपनी चाची की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी।

गुरुवार सुबह वह गांव में टहलने के लिए निकली थी। तभी भतीजे ने चाची को दौड़ाया। उनको पकड़कर कुल्हाड़ी से सीने और गर्दन पर ताबड़तोड़ वार किया। उसकी गर्दन कटकर चमड़े के बल लटक गई।

इस दौरान गांव के लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, तो उसने उन्हें भी दौड़ा लिया। हत्याकांड के बाद आरोपी कुल्हाड़ी लेकर गांव की गलियों में घूमता रहा, फिर फरार हो गया।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल को सील किया। हत्या के पीछे 2 महीने पहले चाचा के साथ हुआ विवाद बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी की तलाश में टीमों को लगाया है। वारदात मौदहा कोतवाली क्षेत्र के करहईया गांव की है।

करहईया गांव में कल्ली (60) पत्नी मेड़ेलाल खंगार अपने घर पर रहती थीं। उनके पति और दो बेटे ज्ञान सिंह और मान सिंह कानपुर में रहकर ठेके पर जमीन लेकर खेती करते हैं। कल्ली अक्सर पति और बेटों के पास कानपुर में रहती थीं और कभी कभी गांव आती थीं।

कल्ली और आरोपी धर्मेंद्र (45) पुत्र शिवलाल के घर सामने से अलग-अलग हैं, लेकिन उनका आंगन एक ही है।

संक्षिप्त समाचार

रॉयल मिंट ने जारी किया फ्रीडी मर्करी का विशेष सिक्का

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल मिंट ने क्वीन बैंड के मशहूर फ्रंटमैन फ्रीडी मर्करी को समर्पित विशेष सिक्का जारी किया। यह स्मारक सिक्का उनके ऐतिहासिक लाइव एड (1985) प्रदर्शन के 40 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पेश किया गया है। सिक्के पर मर्करी की उनकी पहचान बनने वाली मुद्रा पीछे की ओर झुका सिर और हाथ में माइक्रोफोन स्टैंड की छवि बनी है। यह सिक्का म्यूजिक लेजेंड्स कलेक्शन का हिस्सा है, जो संगीत प्रशंसकों और संग्रहकर्ताओं के बीच लोकप्रिय है।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में टीटीपी के 15 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग खुफिया आधारित अभियानों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े 15 आतंकियों को मार गिराया। सेना के मुताबिक, 15 व 16 नवंबर को डेरा इस्माइल खान और उत्तरी वजीरिस्तान में अभियान चलाए गए अभियान में 10 आतंकियों को ढेर किया गया, इसमें कुंजी सरगना आलम महसूद भी शामिल था। उत्तरी वजीरिस्तान के दत्ता खेल क्षेत्र में पांच अन्य आतंकियों को मार गिराया गया। सभी विदेशी मदद से चल रहे नेटवर्क से जुड़े थे और कई हमलों में शामिल थे।

परमाणु पनडुब्बी मंजूरी पर भड़का उत्तर कोरिया, कहा-बेहद गंभीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ओर से दक्षिण कोरिया को परमाणु संचालित पनडुब्बियां बनाने की हरी झंडी देने पर उत्तर कोरिया भड़क गया। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के दक्षिण कोरिया को परमाणु-संचालित पनडुब्बियां विकसित करने की मंजूरी को बेहद गंभीर बताया। उसने कहा कि इससे क्षेत्र में परमाणु युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उत्तर कोरिया ने आरोप लगाया कि परमाणु पनडुब्बी परियोजना सियोल को परमाणु हथियार उपलब्ध कराने की रणनीतिक चाल है।

ताइवानी सीमा में फिर घुसे 13 विमान और सात युद्धपोत

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार सुबह उसकी सीमा में 13 चीनी विमान और सात युद्धपोत देखे गए हैं। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से सात विमान मध्य रेखा पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी वायु क्षेत्र में घुसे। इससे ठीक एक दिन पहले इसी तरह की 18 सैन्य गतिविधियां दर्ज की गई थीं। ताइवान ने कहा कि वह हालात की निगरानी कर रहा है और जरूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई करेगा।

सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेगा अमेरिका : ट्रंप

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वाशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने का एलान किया है। वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार जमाल खशोगी की 2018 में हुई हत्या के बाद सऊदी अरब के नेता की यह पहली व्हाइट हाउस यात्रा होगी। सऊदी अरब खशोगी की हत्या में संलिप्तता से इन्कार करता रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को यह विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे।

नेपाल में शांति भंग के आरोप, दुर्गा प्रसाई गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। नेपाल में पुलिस ने राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म, संस्कृति और नागरिक बचाओ अभियान के संयोजक व मेडिकल व्यवसायी दुर्गा प्रसाई को गिरफ्तार कर लिया। जिला प्रशासन कार्यालय के मुताबिक, प्रसाई ने हिंसा को भड़काने वाली बयानबाजी की थी। पुलिस प्रवक्ता पवन कुमार भट्टराई ने बताया कि अदालत ने मंगलवार को प्रसाई की हिरासत अवधि चार दिन के लिए बढ़ाने की अनुमति दी है। प्रसाई ने सार्वजनिक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली अभिव्यक्ति दी थी। उन्होंने 23 नवंबर को देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी और इसके लिए तैयारी भी कर रहे थे। इससे पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

फलस्तीनी शिविरों पर इस्राइली सेना ने ड्रोन से हमले किए, 11 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी लेबनान में एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर इस्राइली सेना ने हवाई हमला किया। इसमें 11 लोग मारे गए और चार घायल हो गए। लेबनान के सरकारी मीडिया और स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को ड्रोन हमला तटीय शहर सिडोन के बाहरी इलाके में किया गया। इस्राइली सेना ने ड्रोन से आइन अल-हिल्वे शरणार्थी शिविर में एक मस्जिद की पार्किंग में खड़ी एक कार को निशाना बनाया।

बांग्लादेश को दूसरा आतंकी मुल्क बनने से रोके भारत, हसीना के 'सांसदों' ने खुलकर मांगी मदद

ढाका, एजेंसी। ढाका में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरणद्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों में मौत की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद, अवामी लीग के वे शीर्ष नेता खुलकर सामने आ गए हैं। ये लोग वर्तमान में अज्ञात स्थानों पर निर्वासन में जी रहे हैं। उन्होंने कहा है कि वे तभी बांग्लादेश लौटेंगे जब- राजनीतिक समावेशन सुनिश्चित होगा और उनके खिलाफ दर्ज मामलों में न्यायिक राहत मिलेगी। साथ ही, उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत हसीना को शरण, सम्मान और सुरक्षा देना जारी रखेगा।

सैकड़ों नेता निर्वासन में, हजारों कार्यकर्ता जेल में : 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करने वाले कई अवामी लीग नेताओं और पूर्व सांसदों ने बताया कि पार्टी के लगभग सौ से अधिक नेता विदेशों में रह रहे हैं और इतने ही नेता एवं हजारों कार्यकर्ता बांग्लादेश में जेलों में बंद हैं। चार बार के सांसद नाहिम रज्जाक ने कहा कि सरकार द्वारा अवामी लीग को पूरी तरह समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार पार्टी पर प्रतिबंध, नेताओं पर आपराधिक मुकदमे, परिवारों को निशाना बना रही है और बैंक खातों पर रोक लगा रही है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना के खिलाफ आया यह फैसला उन्हें और अधिक प्रेरित कर रहा है। रज्जाक ने कहा- वापस जाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन अगर पार्टी पर लगा प्रतिबंध हटे और हमें जमानत मिले, तो हमारा पूरा नेतृत्व और कैडर संघर्ष के लिए तैयार है।

'यूनुस सरकार जल्द गिरेगी : सभी नेताओं का मानना है कि प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार अधिक दिन टिक नहीं पाएगी। पूर्व वस्त्र एवं जूट मंत्री जाहिद नानक ने कहा कि यूनुस के नेतृत्व में होने वाला कोई भी चुनाव विश्वसनीय नहीं होगा। उन्होंने साफ कहा कि यूनुस को इस्तीफा देना ही होगा। अवामी लीग के वरिष्ठ नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि हम उनके नेतृत्व में होने वाले किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे।

भारत से बड़ी अपेक्षाएं : 71 वर्षीय नानक ने भारत से यह उम्मीद जताई कि वह बांग्लादेश को दूसरा आतंकी या इस्लामिक स्टेट जैसा राष्ट्र बनने से रोकेगा। उन्होंने कहा कि भारत को हमारे साथ खड़ा होना होगा। आईटीसी का गठन करने और प्रधानमंत्री को गैर-कानूनी तरीके से मौत की सजा सुनाने वाली इस अंतरिम सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई में भारत को सहायता करनी चाहिए।

'हसीना के बिना चुनाव नहीं' : तीन बार सांसद रहे पंकज नाथ ने कहा कि हसीना को दी गई मौत की सजा से सभी स्तब्ध हैं। उन्होंने दावा किया कि हसीना की अनुपस्थिति में कोई भी चुनाव स्वीकार्य नहीं होगा। जनता भी ऐसे चुनाव में भाग नहीं लेगी। नाथ ने जेल में बंद नेताओं और कार्यकर्ताओं को सामान्य माफी देने की मांग की और कहा कि जल्द ही बांग्लादेश में एक बड़ा जनउभार हो सकता है। उन्होने कहा कि हमें विश्वास है कि भारत अपने पड़ोस में ऐसे अत्याचार को नहीं होने देगा।

हसीना का संदेश: 'यूनुस सरकार को उखाड़ फेंको' : अवामी लीग कार्यकारी समिति के संयुक्त सचिव और पूर्व सांसद बहाउद्दीन नसीम ने बताया कि शेख हसीना निर्वासन में होने के बावजूद इंटरनेट कॉल्स और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए नेताओं से लगातार संपर्क में हैं। मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटे बाद भी उन्होंने नेतृत्व को संदेश भेजा।

नसीम के अनुसार, उनका संदेश बिल्कुल स्पष्ट था - यह फैसला असंवैधानिक है, और इस सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए। नसीम ने कहा कि यदि शेख हसीना चुनाव लड़ने का आह्वान करें, और यदि प्रतिबंध हटे तथा प्रमुख नेताओं को रिहा किया जाए, तो अवामी लीग उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। लेकिन इसके लिए निष्पक्ष और समान अवसर वाला माहौल होना आवश्यक है। शेख हसीना के खिलाफ मौत की सज़ा ने न केवल राजनीतिक टकराव को गहरा कर दिया है, बल्कि दक्षिण एशिया की रणनीतिक स्थिरता के लिए भी नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिडनी में भारतीय मूल की प्रेगनेंट महिला की दर्दनाक मौत

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल की एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। महिला 8 महीने की प्रेगनेंट थी और कुछ ही दिनों में उसकी डिलीवरी होने वाली थी। हालांकि हादसे में उसे और बच्चे को बचाया नहीं जा सका। 9 न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि सिडनी के हॉर्न्सबी में एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू की चपेट में आने से 33 वर्षीय भारतीय मूल की आठ महीने की गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की मौत हो गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना के पीड़िता, समन्वय धारेश्वर अपने पति और अपने 3 साल के बेटे के साथ पैदल जा रही थी। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जब वे सड़क पर कर रहे थे, तब एक किआ कार्निवल ने परिवार को फुटपाथ पार करने देने के लिए अपनी गति धीमी कर ली थी। हालांकि तभी 19 वर्षीय युवक आरोन पापाजोग्लू द्वारा चलाई जा रही एक बीएमडब्ल्यू सेडान कथित तौर पर किआ से टकरा गई, जिससे वह आगे की ओर उछल गई और धारेश्वर से जोर से टकरा गई।

पुलिस ने बताया कि इमरजेंसी सर्विसेज तुरंत मौके पर पहुंची और पैरामेडिक्स ने घटनास्थल पर ही उसका इलाज किया, उसके बाद उसे वेस्टमीड अस्पताल ले जाया गया। हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद, धारेश्वर और उसके अजन्मे बच्चे, दोनों को बचाया नहीं जा सका। वहीं घटना में घायल हुए आरोपी को प्राथमिक इलाज के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 19 वर्षीय युवक को हॉर्न्सबी पुलिस स्टेशन ले जाया गया और उस पर खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने, लापरवाही बरतने और एक गर्भवती महिला की मृत्यु के आरोप लगाए गए हैं।

एपस्टीन ईमेल के बाद यूएस के पूर्व ट्रेजरी सचिव का इस्तीफा

न्यूयार्क, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सचिव) लैरी समर्स ने पद छोड़ने का एलान किया है। समर्स हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने ये फैसला जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में नाम सामने आने के बाद लिया है। समर्स ने कहा, 'अपने सबसे करीबी लोगों के साथ विश्वास फिर से बहाल करने और रिश्ते सुधारने' के लिए उन्होंने सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का फैसला लिया है। दरअसल, एपस्टीन से जुड़ा ईमेल जारी होने के बाद पता चला है कि समर्स को साल 2008 में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति के लिए उकसाने का दोषी ठहराया गया। इसके बाद भी समर्स और एपस्टीन के मैत्रीपूर्ण संबंध लंबे समय तक बने रहे। समर्स ने कहा, 'मुझे अपने किए पर बहुत शर्म आती है। मैं उस दर्द को समझता हूं जो उन्होंने मुझे पहुंचाया है। मैं एपस्टीन के साथ संवाद जारी रखने के अपने गलत फैसले की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूं।' हालांकि, समर्स ने यह स्पष्ट नहीं किया वह पढ़ाना जारी रखेंगे या वहां से भी पीछे हट जाएंगे। बता दें कि एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों से जुड़े मुकदमे चलाने की तैयारियां हो रही थीं, लेकिन 2019 में उन्होंने मैनहट्टन जेल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। ये भी दिलचस्प है कि समर्स की इस घोषणा से कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि वह न्याय विभाग और एफबीआई से समर्स के एपस्टीन, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और रीड हॉफमैन (लिंक्डइन के संस्थापक और डेमोक्रेट समर्थक) के साथ संबंधों की जांच करने के लिए कहेंगे।

ट्रंप के बेटे ने लगाया बड़ा आरोप- भारतीयों से नफरत करते हैं जोहरान ममदानी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के नव-निर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी को लेकर अमेरिका में राजनीतिक बहस तेज होती जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे और ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के एग्जीक्यूटिव वाइस-प्रेसिडेंट एरिक ट्रंप ने एक बार फिर ममदानी की कड़े शब्दों में आलोचना की है। फॉक्स न्यूज के होस्ट शॉन हनिटी से बातचीत में एरिक ट्रंप ने ममदानी पर अतिवामपंथी एजेंडा चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ममदानी की विचारधारा न्यूयॉर्क जैसे बड़े अमेरिकी शहरों को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि ममदानी भारतीयों से नफरत करते हैं। एरिक ने दावा किया कि- ममदानी सोशलिस्ट... कम्युनिस्ट... हैं जो किराना स्टोर्स का राष्ट्रीयकरण करना चाहते हैं, नेतन्याहू को गिरफ्तार करना चाहते हैं, यहूदी समुदाय से नफरत करते हैं

और भारतीय आबादी से भी नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि ममदानी की नीतियां निगमों और रोजगार के अवसरों को नुकसान पहुंचा रही हैं। एरिक ट्रंप के अनुसार- न्यूयॉर्क कभी दुनिया का सबसे बेहतरीन शहर था, लेकिन आज यह अपनी चमक खो रहा है- और इसकी वजह है बुरी राजनीति। उन्होंने कहा कि ममदानी को सड़कों की सुरक्षा, शहर की सफाई और उचित टैक्स जैसे मूल मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, न कि सरकारी दखल बढ़ाने पर। एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज से भी जोड़ा मामला एरिक ट्रंप ने ममदानी की तुलना कांग्रेसवुमन एओसी से करते हुए कहा कि उनके विरोध के कारण ही अमेजॉन का प्रस्तावित मुख्यालय न्यूयॉर्क नहीं आया, जिससे हजारों उच्च वेतन वाली नौकरियां शहर के हाथ से निकल गईं। इस चर्चा से पहले एरिक ट्रंप ने टर्निंग पॉइंट यूएसए के कार्यक्रम में भी ममदानी को पागलपन भरी वामपंथी नीतियों वाला व्यक्ति बताते हुए कहा था कि एक कम्युनिस्ट के हाथों शहर का शासन विनाशकारी होगा। अपने चुनावी विजय भाषण में ममदानी ने सीधे डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा था- डोनाल्ड ट्रंप, मुझे पता है आप देख रहे हैं- वॉल्यूम बढ़ाइए। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई जगह यह दिखा सकती है कि ट्रंप जैसे नेता से निराश देश कैसे उनसे आगे बढ़ता है, तो वह जगह है- वही शहर जिसने उन्हें जन्म दिया न्यूयॉर्क। राजनीतिक टकराव और समुदायों में हलचल एरिक ट्रंप के आरोपों ने न्यूयॉर्क के भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों में बहस छेड़ दी है। ममदानी लंबे समय से प्रगतिशील राजनीति का हिस्सा रहे हैं और भारतीय व आप्रवासी समुदायों में लोकप्रिय चेहरे माने जाते हैं। हालांकि ममदानी की ओर से एरिक ट्रंप के इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले महीनों में यह राजनीतिक टकराव और तेज हो सकता है।

'भारतीय महिला को परेशान करना बंद करे', लाहौर हाईकोर्ट ने सरबजीत को पुलिस उत्पीड़न से दी सुरक्षा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के एक हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस को भारतीय सिख महिला सरबजीत को परेशान करना बंद करने का आदेश दिया। महिला ने इस्लाम धर्म अपनाकर स्थानीय मुस्लिम व्यक्ति से शादी कर ली थी। महिला की मुस्लिम व्यक्ति नासिर हुसैन से मित्रता सोशल मीडिया पर हुई थी। सरबजीत कौर (48) 2,000 सिख तीर्थयात्रियों के साथ महीने की शुरुआत में गुरु नानक जयंती उत्सव में शामिल होने के लिए भारत से वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में दाखिल हुई थी। तीर्थयात्री 13 नवंबर को घर

लौट आए, लेकिन सरबजीत लापता हो गई थी। लाहौर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बाद में बताया कि सरबजीत ने चार नवंबर को पाकिस्तान पहुंचने के एक दिन बाद लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा जिले के नासिर हुसैन से शादी कर ली। मंगलवार को सरबजीत और नासिर ने लाहौर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर शिकायत की कि पुलिस ने शेखूपुरा के फारूकाबाद स्थित उनके घर पर अवैध रूप से छापा मारा और उन पर शादी तोड़ने का दबाव डाला।

यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 28-बिंदुओं की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन, रूस के साथ गोपनीय चर्चा जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस के साथ गोपनीय तरीके से 28-बिंदुओं वाली योजना तैयार कर रही है। एक्सिओस ने यह रिपोर्ट रूसी अधिकारियों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप की यह नई योजना 20-बिंदुओं वाली गाजा शांति योजना से प्रेरित है। एक वरिष्ठ रूसी अधिकारी के अनुसार, ट्रंप इस योजना को लेकर आशावादी हैं। योजना में चार मुख्य बिंदु शामिल होंगे- यूक्रेन में शांति, सुरक्षा गारंटी, यूरोप में सुरक्षा और अमेरिका के रूस और यूक्रेन के साथ भविष्य के संबंध। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह शांति योजना पूर्वी यूक्रेन के कुछ क्षेत्रों में रूस के क्षेत्रीय नियंत्रण जैसे बड़े मुद्दों को कैसे संभालेगी। योजना तैयार करने की जिम्मेदारी पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, विटकॉफ ने इस योजना पर रूसी प्रतिनिधि किरील दिमित्रीव के साथ विस्तार से चर्चा की है। दिमित्रीव ने एक्सिओस को बताया कि उन्होंने अक्तूबर 24-26 के बीच मियामी में विटकॉफ और ट्रंप प्रशासन के अन्य अधिकारियों के साथ तीन दिन बिताए। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें लगता है कि रूसी पक्ष की बात सच में सुनी जा रही है, इसलिए इस इस समझौते के सफल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि यह योजना केवल यूक्रेन संघर्ष पर नहीं, बल्कि रूस की सुरक्षा चिंताओं और रूस-अमेरिका संबंधों को सुधारने पर फोकस करती है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक बहुत व्यापक ढांचा है, जो कहता है कि कैसे हम आखिरकार यूरोप को स्थायी सुरक्षा दें, केवल यूक्रेन को नहीं। यूक्रेन के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि उन्हें इस योजना की जानकारी है, क्योंकि विटकॉफ ने इस पर राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रुस्तेम उमेरोव के साथ भी इस हफ्ते चर्चा की। वहीं, अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने इस योजना के बारे में यूरोपीय अधिकारियोंको भी जानकारी देना शुरू कर दिया है। यह योजना ऐसे समय में सामने आई है, जब ट्रंप अलास्का में रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर बैठक के बाद यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

मां बांग्लादेश न छोड़तीं तों... : शेख हसीना के बेटे वाजेब बोले- जान बचाने के लिए मोदी सरकार का आभारी रहूंगा

वर्जीनिया, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई गई है। इस बीच हसीना फिलहाल सुरक्षित भारत में मौजूद हैं। भारत की तरफ से अपदस्थ पीएम को इस तरह सुरक्षा दिए जाने पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने बुधवार को न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में भारत सरकार की तारीफ की है और कहा है कि वे इसके लिए पीएम मोदी की सरकार के आभारी रहेंगे। अमेरिका के वर्जीनिया में रह रहे सजीब ने कहा, 'भारत हमेशा से एक अच्छा दोस्त रहा है। संकट के समय भारत ने मेरी मां की जान बचाई है। अगर वो बांग्लादेश नहीं छोड़तीं, तो उग्रवादियों ने उनकी हत्या की योजना बना ली होती। इसलिए मैं अपनी मां की जान बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का हमेशा आभारी रहूंगा।'

शेख हसीना के बेटे ने बांग्लादेश की न्यायिक प्रक्रिया पर उठाए सवाल : शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर सजीब ने कहा, 'प्रत्यर्पण के लिए न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। बांग्लादेश में एक अनिर्वाचित, असंवैधानिक और अवैध सरकार है। मेरी मां को दोषी ठहराने के लिए, उनके मुकदमे की सुनवाई तेज करने के लिए कानूनों में संशोधन किया गया। यानी इन कानूनों में अवैध रूप से संशोधन किया गया। मेरी मां को अपने बचाव पक्ष के वकील नियुक्त करने की अनुमति नहीं थी। ट्रायल से पहले ही अदालत के 17 जजों को बर्खास्त कर दिया गया, नए जज नियुक्त किए गए, जिनमें से कुछ को बेंच पर काम करने का बिल्कुल भी अनुभव नहीं था और वे राजनीतिक रूप से जुड़े हुए थे। इसलिए, कोई उचित प्रक्रिया नहीं थी। प्रत्यर्पण के लिए उचित प्रक्रिया का होना आवश्यक है।

अमेरिका से दबाव के सवाल पर क्या बोले सजीब : अमेरिकी सरकार की

ओर से उन पर कोई दबाव बनाए जाने के सवाल पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने कहा, 'नहीं, हमें किसी भी तरह की कोई धमकी नहीं मिली है। बस एक मामूली समस्या यह थी कि अमेरिका एकमात्र ऐसा देश था, जिसने हमारे 2024 के चुनावों पर नकारात्मक बयान जारी किया था। इसके अलावा, चुनावों को सभी ने शांतिपूर्ण माना था। इसलिए कोई सीधा दबाव नहीं था। अब, अमेरिका में एक बिल्कुल नई सरकार है। स्थिति पूरी तरह से अलग है। हमने दृष्टिकोण में एक बहुत ही स्पष्ट बदलाव देखा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इस साल की शुरुआत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की थी कि पिछले प्रशासन ने यूएसएआईडी के माध्यम से बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन पर लाखों डॉलर खर्च किए थे। वह पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों का जिक्र कर रहे थे। अमेरिका का रवैया निश्चित रूप से बदल गया है, और वे बांग्लादेश में आतंकवाद के खतरे और इस्लामवाद के उदय को लेकर पिछले प्रशासन से कहीं ज्यादा चिंतित हैं।'

'यूनुस की अंतरिम सरकार के पास बिल्कुल समर्थन नहीं': सजीब वाजेद ने आगे बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'अगर मोहम्मद यूनुस लोकप्रिय होते, तो वे चुनाव क्यों नहीं कराते और फिर देश को वैधता से क्यों नहीं चलाते? वे डेढ़ साल से बिना चुनाव कराए सत्ता में बने हैं। असल में उनके पास बिल्कुल भी जनसमर्थन नहीं है। छात्रों की तरफ से गठित राजनीतिक दल- एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी), बांग्लादेश में हुए सभी चुनावों में 2% वोट हासिल कर रही है। उनकी लोकप्रियता कभी भी 2% से ऊपर नहीं गई। यूनुस और छात्रों की पार्टी की लोकप्रियता लगभग न के बराबर है। इसलिए वे बिना चुनाव के सत्ता में बने हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हमारी सरकार की नीति सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने की रही है। हमने चीन, भारत और अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध बनाए रखे। यूनुस सरकार चीन के और करीब आने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चीन की कई राजकीय यात्राएं की हैं। यहां तक कि हमारी विपक्षी पार्टी, बीएनपी, भी चीन से सीधे संपर्क साध रही है। हमारे लिए, बेल्ट एंड रोड पहल बस परिवहन को सुगम बनाने के लिए एक आर्थिक पहल थी।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का पहला टेस्ट आज से , जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो ही टीमें

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरू हो रही एशेज क्रिकेट सीरीज में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक क्रिकेट होने की संभावना है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में उतर रही इंग्लैंड का लक्ष्य इस बार एशेज जीत कर पिछले एक दशक से मिल रही असफलत को पीछे छोड़ना रहेगा। वहीं नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण स्टीव स्मिथ की कप्तानी में उतर रही मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगा देगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड 13 मैच हारी है जबकि दो ड्रॉ रहे हैं इस प्रकार उसे एक भी जीत नहीं मिल सकी। अंतिम बार 2010-11 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था।

वहीं इस बार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम की राह भी आसान नहीं है। वह अपने खिलाड़ियों की चोटों से परेशान हैं। ऐसे में देखना होगा कि प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी या नहीं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर दवाब बढ़ जाएगा।

ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ पहली बार टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। ऑलराउंडरन कैमरन ग्रीन इस सीरीज से वापसी कर रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिला है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे।

इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा, 'मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इस बार हमारे पास अपना इतिहास बनाने का अवसरी है। इंग्लैंड टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के पास रहेगी। वहीं उनका साथ मार्क वुड देंगे। इस मैचम में तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स वह गुस एटकिंसन को भी अवसर मिल सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस सीरीज में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरा जोर लगा देंगी। मेजबान टीम को हालातों का भी लाभ मिलेगा ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया अंतिम ग्यारह - स्टीवन स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, जेक वेदरल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रैविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट।

इंग्लैंड की अंतिम ग्यारह - बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर

मुशफिकुर ने 100वें टेस्ट में शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

-विशिष्ट खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हुए

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर मुशफिकुर रहीम ने ढाका में अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाने के साथ ही एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। मुशफिकुर आयरलैंड के खिलाफ खेले जा रहे इस मैच में शतक लगाने के साथ ही उन बल्लेबाजों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया है। हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाये हैं। अच्छी तकनीक के लिए पहचाने जाने वाले मुशफिकुर ने अपनी पारी में संयम, धैर्य और क्लास का मिश्रण दिखाया। दूसरे दिन 99 रन पर नाबाद लौटे मुशफिकुर रहीम पर पारी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी थी। वहीं आयरलैंड ने जॉर्डन नील को गेंदबाजी सौंपी। नील ने कुछ अच्छी गेंदें डालकर रहिम को रोकने की कोशिश की पर ओवर की तीसरी गेंद पर रहीम ने एक रन लिया और शतक पूरा कर लिया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बैठे दर्शकों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया, और तालियां बजायीं।

अब मुशफिकुर उन 11 खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाया है। इस सूची में कॉलिन काउड्रे, जावेद मियांदाद, रिकी पोंटिंग, हाशिम अमला, जो रूट और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गज शामिल हैं।

हीम का यह शतक केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के विका का प्रतीक भी है। 2005 में पदार्पण करने वाले इस बल्लेबाज ने अपनी फिटनेस, तकनीक और अनुशासन के बल पर लंबे समय तक टीम में अहम भूमिका निभाई है। 100वें टेस्ट में शतक उनकी काबिलियत, निरंतरता और खेल के प्रति समर्पण को दिखाता है।

दूसरे टेस्ट से पहले गावस्कर ने दी प्रबंधन और चयनकर्ताओं को सलाह

-टीम में ऑलराउंडर नहीं विशेषज्ञ बल्लेबाज शामिल करें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से कहा है कि वह अपने अहं को छोड़कर टीम का चयन करें। गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट सीमित ओवरों से अलग होता है, इसलिए यहां विशेषज्ञ बल्लेबाजों को जगह मिलनी चाहिये। वहीं कोलकाता में हुए पहले टेस्ट में ऑलराउंडर रखने पर प्रबंधन का जोर था जिससे टीम को नुकसान हुआ और वह लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी। गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शनिवार से शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले ये बात कही। इसके साथ ही गावस्कर ने बल्लेबाजों से भी कहा कि धैर्य से खेलें न कि अहंकार में भरकर हर गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास करें। गावस्कर ने चयनकर्ताओं के साथ ही टीम प्रबंधन से कहा कि टेस्ट क्रिकेट में सीमित-ओवरों वाले ऑलराउंडरों की जगह पर घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल करना चाहिये। कोलकाता टेस्ट का हवाला देते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि केवल 3 दिन में 30 रन की हार से दिखता है कि प्रबंधन घरेलू क्रिकेट में रन बरसाने वालों की जगह लीग खिलाड़ियों को शामिल कर रहा है। ऐसे में टीम में शामिल खिलाड़ी पिचों पर टिक कर नहीं खेल पा रहे हैं।गावस्कर ने लिखा, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद उम्मीद करते हैं कि जिम्मेदारों की आंख खुलेगी और वे घरेलू क्रिकेट में रन बनाने वालों पर ध्यान देंगे। ये खिलाड़ी इन पिचों पर खेलने के अभ्यस्त हैं जहां गेंद घूमती हैं और नीची रहती हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी अधिकतर समय इतने व्यस्त रहते हैं कि न्हें घरेलू पिचों पर खेलने का अभ्यास ही नहीं होता। उन्होंने कहा, 'टेस्ट बल्लेबाजी धैर्य की मांग करती है और सबसे अहम ये है कि अपने अहं को छोड़ दें। ने की उत्सुकता दिखनी चाहिए। ये मायने नहीं रखता कि आप बीट हो गए या लेग गाड्र्स पर गेंद लगी।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे !, इस खिलाड़ी को मिलेगी कप्तानी

गुवाहाटी (एजेंसी)। शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे। माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उन्हें गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है।

इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से भारत को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना पड़ सकता है।

कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया था। तीसरे दिन की सुबह BCCI ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। भारत 124 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 93 रन पर आउट हो गया और पिच पर अनइवन बाउंस थी, जिसके बाद टीम 30 रन से मैच हार गई। गिल अक्टूबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ गर्दन में ऐंठन की वजह से एक टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे।

गिल के दूसरे टेस्ट में ना खेलने की खबरों पर भारत के बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने गिल को बाहर किए बिना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर ऐंठन दोबारा होने की कोई संभावना है तो टीम उन्हें खिलाने का रिस्क नहीं लेगी। कोटक ने कहा, 'वह निश्चित रूप से बहुत अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। अब, (उन्हें खिलाना है या नहीं) यह फैसला कल शाम को लिया जाएगा। फिजियो, डॉक्टरों को यह फैसला करना होगा कि, (भले ही) वह पूरी तरह से ठीक हो जाएं, (खेल के दौरान), उन्हें फिर से वह ऐंठन नहीं होनी चाहिए।'

भारतीय कोच ने कहा, 'अगर हमारे पास यह गारंटी है कि, बहुत संभावना है, उन्हें यह समस्या दोबारा नहीं होगी, तो वह खेलेंगे। अगर कोई शक है, तो मुझे यकीन है कि वह एक और गेम के लिए आराम करेंगे, क्योंकि अगर वह खेलते हैं तो यह टीम के लिए मददगार नहीं होगा।'

ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन : शेट्टी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिडनी । भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंच गए जबकि सीनियर खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को हारकर बाहर हो गए । शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21.18, 21.11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए ।

योनेक्स अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के विजेता शेट्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका को 21.17, 21.16 से हराया । अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना हमवतन लक्ष्य सेन से होगा । वहीं इस साल प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके प्रणय को आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन इंडोनेशिया फरहान अलवी ने 21.19, 21.10 से हराया । सात्विक और विराग की जोड़ी का सामना अब पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी से होगा ।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलेंगे पडिक्कल और नायर, इस टीम में शामिल हुए

बेंगलुरु (एजेंसी)। देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर को गुरुवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप ष मैचों के लिए कर्नाटक की 16 सदस्यों वाली टीम में शामिल किया गया । ये मैच 26 नवंबर से अहमदाबाद में होंगे । देवदत्त अभी साउथ अफ्रीका सीरीज़ के लिए भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, और अगर टीम मैनेजमेंट उन्हें रिलीज नहीं करता है, तो वह कम से कम पहले कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे । करुण ने रणजी ट्रॉफी के पहले हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया है । उन्होंने पांच मैचों में 100.33 की औसत से दो शतकों के साथ 602 रन बनाए हैं । मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली कर्नाटक टीम अपने कैंपेन की शुरुआत उत्तराखंड के खिलाफ करेगी, जिसके बाद झारखंड के खिलाफ डे-नाइट मैच होगा । ग्रुप ष में दूसरी टीमें राजस्थान, तमिलनाडु, दिल्ली, सौराष्ट्र और त्रिपुरा हैं । कर्नाटक टीम - मयंक अग्रवाल (कप्तान), मैकनील नोरोन्हा, केएल श्रीजीत, करुण नायर, आर स्मरण, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल, शिखर शेट्टी, वैसाख विजयकुमार, विद्वाथ कवरप्पा, विद्याधर पाटिल, श्रीवत्स आचार्य, शुभांग हेगड़े, प्रवीण दुबे, बीआर शरथ, देवदत्त पडिक्कल.

पाकिस्तानी क्रिकेटर से हाथ मिलाकर प्रशंसकों के निशाने पर पाये हरभजन

अबू धाबी । पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह अबू धाबी टी-10 लीग के एक मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ मिलाते नजर आये हैं । इस लीग में हरभजन एस्पिन स्टैलियंस की कप्तानी कर रहे थे और उन्होंने नॉर्दर्न वॉरियर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तानी गेंदबाज शाहनवाज दहानी से हाथ मिलाया। जिसे देखकर प्रशंसक हैरान हो गये। इसका कारण है कि पहलगाम आतंकी

हमले के बाद उन्होंने पाक की आलोचना करते हुए कहा था कि उसके साथ क्रिकेट नहीं होना चाहिये। यहां तक कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को एशिया कप में पाक से नहीं खेलने को कहा था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारतीय खिलाड़ियों ने हर जगह पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था। यहां तक कि पूर्व क्रिकेटरों की विश्व चैम्पियनशिप में भी भज्जी और भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया था। तब हरभजन, शिखर धवन, यूसुफ पठान, इरफान पठान और सुरेश रैना ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि तनावपूर्ण राजनीतिक हालातों में 'खून और पसीना एक साथ नहीं बहाया जा सकता। एशिया कप में भी भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की टीम भारत ने सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया। इसके बाद यह महिला विश्व कप में भी भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाक कप्तान और फातिमा सना से दूरी बनाये रखी थी।

सरफराज को मिली पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीम की जिम्मेदारी, अजहर अली ने उठाया बड़ा कदम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान अजहर अली ने नेशनल सिलेक्शन कमिटी और नेशनल क्रिकेट एकेडमी में यूथ डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के हेड पद से इस्तीफा दे दिया है। अली के एक भरोसेमंद सोर्स ने कन्फर्म किया कि उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा है क्योंकि एक और पूर्व टेस्ट कप्तान सरफराज अहमद को पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीमों का पूरा कंट्रोल दिया गया था।

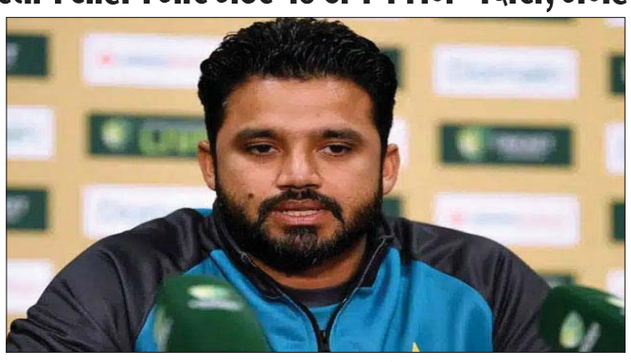

सूत्र के हवाले से कहा गया, 'अजहर ने इस हफ़्ते की शुरुआत में बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा था और इसे मंजूर कर लिया गया है।'' 97 टेस्ट खेलने वाले अजहर ने पिछले साल सिलेक्टर और यूथ डेवलपमेंट हेड के तौर पर अपना कार्यकाल शुरू किया था, लेकिन सोर्स ने कहा कि वह बोर्ड में काम करने के तरीके से काफी परेशान हो रहे थे। काम करने का रेड-टेप स्टाइल उन्हें परेशान करता था, साथ ही इस बात से भी कि एकेडमी में युवा क्रिकेटरों को तैयार करने के उनके कुछ प्रपोजल को आगे नहीं बढ़ाया गया।'

सोर्स ने कहा कि अजहर तब निराश हुए जब बोर्ड ने अचानक उनसे बात किए बिना शाहीन और अंडर-19 क्रिकेट के सारे मामले सरफराज को सौंपने का फैसला किया। उन्होंने आगे कहा, 'अजहर को लगा कि अब जब सरफराज को शाहीन और अंडर-19 टीमें चलाने के लिए कहा गया है, तो यूथ डेवलपमेंट के हेड के तौर पर उनकी ज्यादातर जिम्मेदारियां बिना उनकी मंजूरी के छीन ली गई हैं, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया।'

सरफराज, जो बोर्ड के साथ पहले मेंटर और फिर क्रिकेट मामलों के एडवाइजर के तौर पर काम कर रहे थे, उन्हें पिछले हफ़्ते दोनों टीमों की जिम्मेदारी लेने और कोच के परफॉर्मेंस, सिलेक्शन मामलों, ट्रेनिंग कैंप ऑर्गनाइज करने समेत सभी पहलुओं को देखने के लिए कहा गया और उन्हें टीमों के साथ ट्रैवल करने का अधिकार भी दिया गया। हाल के सालों में पुराने खिलाड़ियों और कोचों, जिनमें विदेशी भी शामिल हैं, का अपना कॉन्ट्रैक्ट पूरा न करने, या तो छोड़ने या नौकरी से निकाले जाने का इतिहास रहा है। हाल ही में बक्कने वर्ल्ड कप में मिली हार के बाद महिला टीम के हेड कोच के तौर पर मुहम्मद वसीम का कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया, जहां टीम आठ टीमों में सबसे नीचे रही थी।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप : भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ सेमीफाइनल में शीर्षक्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दोहा । भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ राइजिंग स्टार्स एशिया कप सेमीफाइनल में अपने शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी ताकि वैभव सूर्यवंशी पर अकेले बोझ नहीं पड़े । इस टी20 टूर्नामेंट में 201 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने सूर्यवंशी एक शतक और 45 रन की पारी खेल चुके हैं । बाकी बल्लेबाज हालांकि अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं जिनमे कप्तान जितेश शर्मा, नमन धीर, प्रियांश आर्य और नेहाल वढेरा शामिल हैं । भारतीय टीम बांग्लादेश को हलके में लेने की गलती नहीं करेगी जिसने अफगानिस्तान ए टीम को 78 रन पर समेट दिया था । इसके अलावा लीग मैच में श्रीलंका ए की मजबूत टीम को आखिरी ओवर तक खेलने पर मजबूर किया । बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रिपोन मंडल और हाल ही में सीनियर टी20 टीम में शामिल हुए बायें हाथ के स्पिनर रकीबुल हसन से भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा । भारत के गेंदबाजों ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है और बायें हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह तीन मैचों में पांच विकेट ले चुके हैं । बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन तीन विकेट लेकर उनका बखूबी साथ दिया है । दुबे ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक भी लगाया था । दुबे ने BCCI टीवी से कहा, 'मैने सलामी बल्लेबाज के तौर पर शुरुआत की थी और मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर सकता हूं । मैं ओमान के खिलाफ मिले इस मौके को भुनाना चाहता था । हम इसी तरह का प्रदर्शन करना चाहते जो यूएई और ओमान के खिलाफ किया था ।' बांग्लादेश की बल्लेबाजी का दारोमदार सलामी बल्लेबाज हबीबुर रहमान सोहान और कप्तान अबरार अली पर होगा । इन दोनों के विकेट जल्दी लेकर भारत दबाव बनाने की कोशिश करेगा । दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान शाहीस का सामना श्रीलंका ए से होगा ।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन - स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है । रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी । टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया । इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा । फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है । 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ़्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है । फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए । अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है ।' उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है । स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी । खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है । मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हूं ।' 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे । फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना ।

कुलदीप यादव का आक्रामक मंत्र: विकेट लेना ही मेरा काम, कोच-कप्तान के सहयोग से मिली स्पष्टता

मुंबई (एजेंसी)। भारत के अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से गुवाहाटी में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपना नजरिया साझा किया। यादव ने एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपनी भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि भारतीय कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल के सहयोग की बदौलत उन्हें अपने काम पर स्पष्टता मिली है। यादव ने आगे कहा कि वह आक्रामक मानसिकता बनाए रखते हैं और विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

कुलदीप यादव ने जियोस्टार पर कहा कि एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में मैं बहुत स्पष्ट हूँ, मैं वर्षों से अपनी भूमिका जानता हूँ। कोच और कप्तान ने मुझे बहुत स्पष्टता और सहयोग दिया है। मैं हमेशा आक्रामक मानसिकता रखता हूँ और उसी के अनुसार गेंदबाजी करता हूँ। यही मेरा काम है; विकेट लेना। वे मुझे इसी नज़र से देखते हैं। यादव का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट एक चुनौतीपूर्ण लेकिन मनोरंजक प्रारूप है, और भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक ÷विलासिता÷ है। उनका लक्ष्य अगले 4-5 वर्षों में फिटनेस और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना है ताकि वे अपने टेस्ट अवसरों का अधिकतम लाभ उठा सकें।

यादव ने कहा कि सभी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। यह एक ऐसा प्रारूप है जिसका सभी आनंद लेते हैं, लेकिन यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी है। ज़ाहिर है, आप सभी प्रारूपों में खेलना चाहते हैं, लेकिन अगर आपको टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलता है, तो आप इसका आनंद लेते हैं। भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक विलासिता है। टेस्ट क्रिकेट में अगले 4-5 साल मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखने पर ध्यान केंद्रित करूँगा।

भारत शनिवार को गुवाहाटी में दूसरे और अंतिम टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा, जहाँ वह श्रृंखला के पहले मैच में 30 रनों की हार से उबरकर श्रृंखला 1-1 से बराबर करना चाहेगा। दूसरे टेस्ट से पहले, भारत के तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज का मानना ??है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी मज़बूत टीमों का सामना करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, क्योंकि इससे उन्हें अपनी गलतियों को पहचानने और सुधारने में मदद मिलती है।

गुवाहाटी टेस्ट जीतने भारतीय टीम को करने होंगे कई सुधार : रिपोर्ट

गुवाहाटी । यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का लक्ष्य जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी पर आना रहेगा । भारतीय टीम को दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रनों से हार मिली थी जिससे वह इस सीरीज मे 1-0 से पीछे हैं । दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का खेलना भी तय नहीं है क्योंकि पहले टेस्ट में उनकी गर्दन में अकड़न आ गयी थी । भारतीय टीम दूसरा टेस्ट हारती है तो उसके हाथ से सीरीज निकल जाएगी । एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए बल्लेबाजी के साथ ही कई चीजों में सुधार करना होगा । पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज़ों ने कई बार ऐसे शॉट खेले जिनकी जरुरत नहीं थी । बिना रणनीति के बल्लेबाजी करना से भी टीम अधिक रन नहीं बना पायी । दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजों को धैर्य, तकनीक और समझदारी दिखानी हुए बड़ा स्कोर बनाना होगा । पिछले कुछ समय से भारतीय बल्लेबाज़ स्पिन के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं । न्यूजीलैंड सीरीज़ से लेकर साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट तक यही समस्या दिखी । भारतीय हालातों में स्पिनर प्रभावी होते हैं । ऐसे में अगर भारतीय बल्लेबाज़ों ने स्पिन को ठीक से नहीं खेला तो उन्हें परेशानी का सामन करना पड़ेगा । इसके अलावा अच्छी शुरुआत करना रहेगा । पहले टेस्ट में भारतीय टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं पायी । शीर्ष क्रम के शुरुआत में आउट होने से मध्य क्रम दबाव में आ गया है । जिससे रन नहीं बने । इसके अलावा गेंदबाजों का भी बेहतर उपयोग करना होगा । पहले टेस्ट में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण बिखरा नजर आया ।

आईटीसी ने सीएसई से अपने शेयर स्वैच्छिक रूप से हटाए

आईटीसी के शेयर अब भी एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली विविध कारोबार करने वाली कंपनी आईटीसी ने कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज (सीएसई) से अपने शेयर को स्वैच्छिक रूप से हटाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। सीएसई ने 20 नवंबर से आईटीसी के साधारण शेयर को अपनी आधिकारिक एक्सचेंज सूची से हटाने की मंजूरी दी। 30 अक्टूबर 2025 को आईटीसी के निदेशक मंडल ने सेबी (शेयर डीलिस्टिंग) विनियम, 2021 के तहत सीएसई से शेयर हटाने का प्रस्ताव स्वीकृत किया। इसके बाद कंपनी ने सीएसई को पत्र भेजा और 19 नवंबर को स्वैच्छिक डीलिस्टिंग की मंजूरी मिल गई। आईटीसी के शेयर अब भी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध हैं, जिससे निवेशक वहां शेयर खरीद और बेच सकते हैं।

पैजसन एग्रो इंडिया को आईपीओ से धन जुटाने बीएसई से मिली मंजूरी

नई दिल्ली पैजसन एग्रो इंडिया को एसएमई श्रेणी में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए बीएसई लिमिटेड से सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। आईपीओ दस्तावेजों (डीआरएचपी) के अनुसार यह 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले 63.09 लाख से अधिक शेयर के नए निर्गम पर आधारित है। नए निर्गम से हासिल 57 करोड़ रुपये की आय का उपयोग आंध्र प्रदेश के विजयनगरम में दूसरा काजू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। कंपनी के शेयर को बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। पैजसन एग्रो इंडिया घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए कच्चे काजू को खाने योग्य गिरी में बदलने का काम करती है। कंपनी का गठन 2021 में किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बड़े प्रोजेक्ट्स को राहत

पोस्ट फैक्टो पर्यावरण मंजूरी पर विशेषज्ञों की सहमति

नई दिल्ली उच्चतम न्यायालय के पोस्ट-फैक्टो यानी परियोजना शुरू अथवा पूरी होने के बाद पर्यावरण मंजूरी को प्रतिबंधित करने का फैसला बदलने को कानून विशेषज्ञों ने उचित बताया है। उनका मानना है कि इससे रियल एस्टेट, बुनियादी ढांचा, सार्वजनिक उपक्रमों की बड़ी परियोजनाओं और खनन क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी। कानून फर्म एसकेवी लॉ ऑफिसेस में एक भागीदार ने इसे महत्त्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे 2017 और 2021 की सरकारी अधिसूचनाएं पुनः प्रभावी हो गई हैं, जो पूर्वव्यापी पर्यावरण मंजूरी की अनुमति देती थीं। उन्होंने कहा` कि जिन परियोजनाओं पर निकट भविष्य में संकट के बादल छाए थे, वे अब दोबारा अपने आप आगे बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट और निर्माण परियोजनाओं आदि पर इस फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि एम्स अस्पतालों और ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों सहित प्रमुख सार्वजनिक इन्फ्रा को इससे काफी फायदा होगा।

अप्रैल-अक्टूबर में भारत का तेल-गैस आयात बिल 12 फीसदी घटा

नई दिल्ली भारत का तेल और गैस का शुद्ध आयात बिल चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-अक्टूबर में 12 प्रतिशत कम हो गया। पेट्रोलियम योजना व विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यह गिरावट कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और प्राकृतिक गैस की मांग में गिरावट के बीच आई है। वित्त वर्ष 2026 के पहले सात महीनों में इन दोनों का आयात बिल घटकर 69.9 अरब डॉलर रह गया जबकि यह बीते साल की इस अवधि में 75.9 अरब डॉलर था। भारत घरेलू कच्चे तेल के लिए 90 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस के लिए 50 प्रतिशत आयात करता है। भारत ने इस वर्ष कच्चे तेल का आयात पहले जितना किया था। लेकिन कच्चे तेल की कीमतें गिरने के कारण बचत हुई। अप्रैल-अक्टूबर के दौरान कच्चे तेल का बिल 13 प्रतिशत घटकर 71.2 अरब डॉलर रह गया जबकि पिछले वर्ष यह 81.9 अरब डॉलर था।

आरबीआई दिसंबर में ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती कर सकता है

नई दिल्ली

दुनिया की दिग्गज वित्तीय कंपनियों में से एक मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दिसंबर में ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती कर सकता है, जिससें रेपो रेट घटकर 5.25 प्रतिशत हो जाएगी। आरबीआई की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) की बैठक 3-5 दिसंबर के बीच प्रस्तावित है और इसमें ब्याज दरों को लेकर समीक्षा की जाएगी। मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि मौद्रिक नीति का रुख विवेकपूर्ण बना रहने की उम्मीद है। हालांकि, इस कटौती के बाद केंद्रीय बैंक आगे के फैसले लेने के लिए डेटा पर निर्भर हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई द्वारा ब्याज दरों, तरलता की स्थिति और नियामक उपायों को शामिल करते हुए अपने त्रि-आयामी सहजता चक्र का मूल्यांकन करते समय वेट एंड वॉच की स्थिति अपनाने की उम्मीद है। इससे आरबीआई को भविष्य में कोई भी कदम उठाने से पहले यह आकलन करने का अवसर मिलेगा कि ये बदलाव घरेलू विकास पैटर्न और मुद्रास्फीति संकेतकों के साथ कैसे तालमेल बिठाते हैं।

देश की राजकोषीय नीति के संबंध में, रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार राजकोषीय व्यावहारिकता का पालन जारी रखेगी, पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता देते हुए क्रमिक समेकन पर ध्यान केंद्रित करेगी। साथ ही कहा कि मध्यम अवधि के आर्थिक विस्तार को बनाए रखने के लिए ये उपाय आवश्यक हैं।

एचडीएफसी बैंक भारत का सबसे कीमती ब्रांड बना

30 मिनट डिजिटल ऑटोलोन जैसी तेज सेवाओं ने बैंक की पहचान मजबूत की

मुंबई साल 2025 में एचडीएफसी बैंक ने 44.9 अरब डॉलर (37 लाख करोड़) की ब्रांड वैल्यू के साथ टीसीएस को पछाड़ते हुए भारत का सबसे कीमती ब्रांड बनकर शीर्ष स्थान हासिल किया। 2014-2021 तक बैंक टॉप पर था, 2022 में टीसीएस आगे निकला था। पिछले दशक में बैंक की ब्रांड वैल्यू में 377 फीसदी की वृद्धि हुई। एचडीएफसी लिमिटेड के साथ मर्जर और विजिल आंटी जैसे फ्रॉड-प्रोटेक्शन अभियान ने ग्राहकों का भरोसा बढ़ाया। 30 मिनट डिजिटल ऑटोलोन जैसी तेज सेवाओं ने बैंक की पहचान मजबूत की। भारत के टॉप 100 ब्रांड्स की कुल वैल्यू अब 523.5 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। इस साल 34 ब्रांड्स की वैल्यू बढ़ी, लेकिन कुल वृद्धि दर पिछले साल की तुलना में धीमी रही। विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों को अब ब्रांड में अधिक निवेश करना जरूरी है।

क्रिप्टो में गिरावट से निवेशकों के डूबे एक ट्रिलियन डॉलर

सात महीनों के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंची

मुंबई क्रिप्टो बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन सात महीनों के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। लगातार गिरावट की वजह से निवेशकों को एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक का झटका लगा है। न्यूयॉर्क सत्र में बिटकॉइन 90,000 डॉलर के नीचे फिसलकर 88,522 डॉलर तक गिर गई। इस भारी गिरावट का असर छोटे खुदरा निवेशकों से लेकर बड़ी डिजिटल एसेट ट्रेज़री कंपनियों तक पर दिखा। हालांकि बाजार बंद होते समय एने वि डिया के मजबूत नतीजों ने थोड़ी राहत दी और कुछ टोकन दिन के निचले स्तर से हल्का सुधरे। विशेषज्ञों के अनुसार बिटकॉइन के लिए 85,000 और 80,000 डॉलर महत्वपूर्ण सपोर्ट लेवल हैं। इसके अलावा 77,424 डॉलर का स्तर, जो अप्रैल में टैरिफ तनाव के दौरान बना था, अब एक अहम बॉटम माना जा रहा है। 6 अक्टूबर को क्रिप्टो मार्केट कैप 4.3 ट्रिलियन डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था, जो गिरकर अब लगभग 3.2 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। 10 अक्टूबर को अचानक 19 बिलियन डॉलर से अधिक की लेवरेज्ड पोजीशन लिक्विडेट होने से बाजार में घबराहट और तेज हो गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 446, निफ्टी 139 अंक बढ़ा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में तेजी के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी बढ़ने से ये उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 446.21 अंक बढ़कर 85,632.68 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 139.50 अंक बढ़कर 26,192.15 पर बंद हुआ। दोनों मुख्य सूचकांक अपने ऑल-टाइम हाई पर बंद हुए। सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, मारुति सुजुकी और एलएंडटी के शेयर लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टाइटन, एचयूएल, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, टाटा स्टील, इन्फोसिस, एमएंडएम, भारती एयरटेल और बीईएल के शेयर नीचे आये। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप का प्रदर्शन खराब रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 14.50 अंक की तेजी के साथ 60,963.55 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 8.70 अंक टूटकर 18,067.25 पर रहा था।

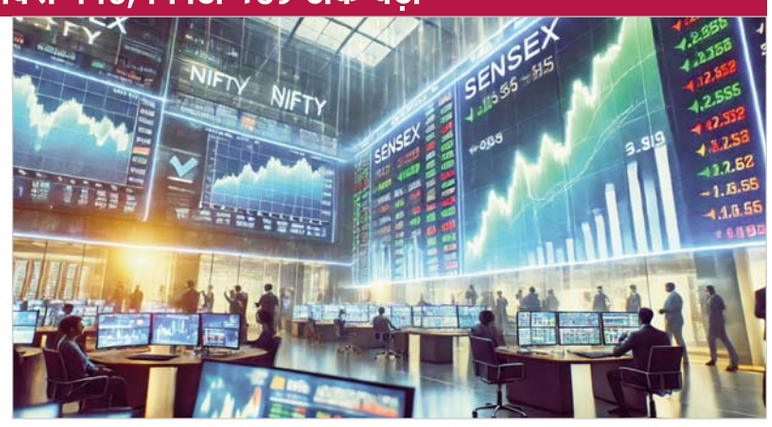

जानकारों के अनुसार अमेरिका-भारत के बीच ट्रेड डील होने की संभावना से भी बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर टेक कंपनियों की ओर से मजबूत परिणामों से भी बाजारा में तेजी आई।

आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स मजबूती के साथ 85,470 अंक पर खुला।

इसी तरहनिफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 26,132 अंक पर खुलने के बाद यह 55.40 अंक चढ़कर 26,107 पर कारोबार कर रहा था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है। जापान का निक्केई 3.62 फीसदी, चीन का सीएसआई 300 0.47 फीसदी, हांगकांग का हैंगसेंग 0.65 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.5 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी शेयर बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.10 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। जबकि एसएंडपी 500 बुधवार को 0.38 फीसदी और नैस्डैक कंपोजिट 0.59 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

भारत में रिटेल कारोबार बंद करने की तैयारी में डॉयचे बैंक

कारोबार को खरीदने की दौड़ में दो बड़े भारतीय बैंक

मुंबई

जर्मनी का डॉयचे बैंक भारत में अपना रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिज़नेस बंद करने को लेकर` विचार कर रहा है। इस कारोबार को खरीदने की दौड़ में दो बड़े निजी बैंक कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक शामिल हैं। आठ वर्षों में यह दूसरा मौका है जब डॉयचे बैंक भारत में अपनी रिटेल इकाई बेचने का प्रयास कर रहा है। सूत्रों के अनुसार दोनों भारतीय बैंकों ने डॉयचे बैंक के पोर्टफोलियो का मूल्यांकन पूरा कर लिया है और फिलहाल डील की कीमत पर बातचीत जारी है। बिक्री के लिए रखे गए पोर्टफोलियो में पर्सनल लोन और कुछ मॉर्टगेज शामिल हैं, हालांकि दोनों का सटीक हिस्सा स्पष्ट नहीं है। बैंक के वेल्थ मैनेजमेंट बिज़नेस में लगभग 25,000 करोड़ रुपए की एसेट अंडर मैनेजमेंट है। मार्च 2025 में बैंक को अपने रिटेल बिज़नेस से 2,455 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4 फीसदी अधिक है। ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 तक डॉयचे बैंक के रिटेल पोर्टफोलियो में 25,038 करोड़ रुपए की संपत्ति शामिल थी। कोटक और फेडरल बैंक इस पोर्टफोलियो को खरीदकर अपने रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिज़नेस का विस्तार करना चाहते हैं, क्योंकि यह डॉयचे बैंक के हाई-वैल्यू ग्राहकों तक पहुंच बनाने का अवसर देता है। भारत में विदेशी बैंकों को स्थानीय बड़े बैंकों से कड़ी प्रतिस्पर्धा झेलनी पड़ती है।

फुजियामा पावर के शेयर बाजार में कमजोर लिस्टिंग के बाद रिकवरी

ग्रे मार्केट की उम्मीदों से नीचे रहा प्रदर्शन, क्यूआईबी की मजबूत मांग से सब्सक्रिप्शन पूरा हुआ

नई दिल्ली फुजियामा पावर सिस्टम्स का आईपीओ गुरुवार को शेयर बाजार में हल्की गिरावट के साथ लिस्ट हुआ। कंपनी के शेयर बीएसई पर 218.40 रुपए पर खुले, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 228 रुपए से करीब 4 फीसदी कम रहा। एनएसई पर भी शेयर 220 रुपए पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से लगभग 3.51 फीसदी डिस्काउंट दर्शाता है। ग्रे मार्केट में भी आईपीओ को बेहद मामूली सपोर्ट मिला था, जहां शेयर केवल 228.50 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। लिस्टिंग के बाद हालांकि शेयर में तेजी देखने को मिली। बीएसई पर यह 3.85 फीसदी चढ़कर 226.80 रुपए पर पहुंच गया, जबकि एनएसई पर 3.25 फीसदी की बढ़त के साथ 227 रुपए के आसपास कारोबार करने लगा। बाजार विश्लेषकों के अनुसार, शुरुआती दबाव के बावजूद शेयर में रिकवरी इस बात का संकेत है कि निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी में रुचि दिखाई। आईपीओ की शुरुआत बाजार की सतर्क धारणा के बीच कमजोर रही थी, लेकिन अंतिम दिन मांग में सुधार ने इश्यू को संभाल लिया। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने अपने हिस्से का 5.15 गुना सब्सक्रिप्शन किया, जो इस इश्यू की प्रमुख मजबूती थी।

देश की 26 ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपना प्लेटफॉर्म 'डार्क पैटर्न' से मुक्त किया

कंपनियों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए

नई दिल्ली

देश की 26 प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों ने घोषणा की है कि उनके प्लेटफॉर्म अब 'डार्क पैटर्न' से मुक्त हैं। डार्क पैटर्न भ्रामक यूजर इंटरफेस डिज़ाइन को कहा जाता है, जो ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं को अनजाने में किसी कार्रवाई के लिए प्रेरित करता है। उदाहरण के लिए वेबसाइट या ऐप पर ऐसा डिजाइन जो ग्राहक को अनचाहे प्रोडक्ट खरीदने या सब्सक्रिप्शन लेने के लिए उकसाता है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने बताया कि इन कंपनियों ने स्वेच्छा से स्व-घोषणा पत्र प्रस्तुत किए हैं। इसमें उन्होंने पुष्टि की कि उनके प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार के डार्क पैटर्न का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसके अलावा, कंपनियों ने अपने प्लेटफॉर्म का आंतरिक और बाहरी ऑडिट कराकर इसकी पुष्टि की। इस सूची में जेप्टो, जोमैटो, स्विगी, जियोमार्ट, बिगबास्केट, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, फार्म इजी, मेकमायट्रिप, ब्लिंकिट, क्लियरट्रिप, रिलायंस ज्वेल्स, रिलायंस डिजिटल, नेटमेड्स, टाटा 1एमजी, मीशो, इक्सिगो, मिलबास्केट, हैमलेज, अजियो, टीरा ब्यूटी, ड्यूरोफ्लेक्स और क्यूराडेन जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कहा कि यह कदम डिजिटल मार्केट में उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाएगा।

30 नवंबर 2023 को अधिसूचित 'डार्क पैटर्न रोकथाम एवं विनियमन दिशानिर्देश 2023' 13 प्रकार के डार्क पैटर्न की पहचान करते हैं और उन पर प्रतिबंध लगाते हैं।

भारत में लेनोवो का जुलाई-सितंबर तिमाही का राजस्व बढ़कर 1.2 अरब डॉलर पहुंचा

- लेनोवो इंडिया के सभी व्यावसायिक समूहों में मजबूत प्रदर्शन से राजस्व में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली

डिजिटलीकरण, प्रीमियमीकरण और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में बदलाव के बाद उपभोक्ता धारणा में सुधार होने के बाद लेनोवो की भारतीय इकाई की जुलाई-सितंबर तिमाही में आय सालाना अधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 1.2 अरब डॉलर हो गई। लेनोवो इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा कि लेनोवो डिजिटल कैपेबिलिटी सेंटर्स और एंटरप्राइज ट्रांसफॉर्मेशन के लिए वैश्विक संकुल के तौर पर भारत की बढ़ती भूमिका का फायदा उठा रहा है। अधिकारी ने कहा कि लेनोवो इंडिया के सभी व्यावसायिक समूहों में इस समीक्षाधीन तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया। वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही का राजस्व सालाना आधार पर 23 प्रतिशत बढ़कर 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। डिजिटलीकरण के बढ़ते रुझान, प्रीमियमीकरण एवं जीएसटी प्रोत्साहन से उपभोक्ताओं की बेहतर धारणा के साथ भारत में हमारी सभी श्रेणियों के लिए अच्छी मांग देखी गई है।

उन्होंने कहा कि हमारा मजबूत प्रदर्शन खुदरा, एमएसएमई और उद्यम ग्राहकों दोनों के बीच हमारे 'एंड-टू-एंड' कृत्रिम मेधा (एआई)-संचालित प्रौद्योगिकी समाधानों को मजबूती से अपनाने से प्रेरित रहा। लेनोवो समूह के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि हम अनिश्चितताओं से निपटने और बेहतरीन हाइब्रिड एआई अवसरों को हासिल करने के लिए अपने अद्वितीय वैश्विक, स्थानीय मॉडल का लाभ उठाना जारी रखेंगे। हम ऐसा करके न केवल अपने शेयरधारकों को दीर्घकालिक स्थायी लाभ प्रदान करेंगे बल्कि एआई को वास्तव में प्रत्येक व्यक्ति एवं प्रत्येक उद्यम की जरूरतों के अनुरूप बनाएंगे।

न्यू रेनो डस्टर कार अगले साल होगी भारत में लॉन्च

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी रेनो इंडिया अपनी नई रेनो डस्टर कार 26 जनवरी को भारतीय बाजार में पेश करने वाली है, जिसके बाद यह देशभर के शोरूम में उपलब्ध होने लगेगी। नई डस्टर को कंपनी के इंटरनेशनल मॉडल डेसिया के प्लेटफॉर्म पर विकसित किया गया है। रेनो का बड़ा ग्लोबल प्लान 2027 तक एक नई 7-सीटर एसयूवी और उभरते बाजारों के लिए बजट इलेक्ट्रिक सिटी कार लाने का भी है। भारत में इसकी टक्कर मारुति ग्रैंड विटारा, होंडा एलिवेट, किआ सेल्टोस और मारुति फ्रोंक्स-आधारित वैरिएंट्स जैसी लोकप्रिय एसयूवी से होगी।

नई डस्टर के एक्सटीरियर में इस बार बड़े बदलाव देखने को मिलते हैं। खासतौर पर इसका फ्रंट लुक पूरी तरह बदला गया है। इसमें रेनो की नई बैजिंग के साथ मॉडर्न ग्रिल दी गई है, जो कंपनी के पारंपरिक रोम्बस लोगो की जगह लेती है। इसके बावजूद डस्टर अपनी दमदार पहचान बनाए रखती है। इसका आकार भी प्रभावी है 4343 मिमी की लंबाई और 2657 मिमी का व्हीलबेस इसे सेगमेंट की मजबूत एसयूवी में शामिल करता है। इंटीरियर की बात करें तो यह मॉडल अपने डेसिया वर्जन से काफी मेल खाता है। दोनों को अलग करने वाला मुख्य तत्व इसका स्टीयरिंग व्हील है। हाई ट्रिम में 7-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10.1-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो डैशबोर्ड से ऊपर की ओर निकला हुआ लगता है। यह ड्राइवर-केंद्रित डिजाइन अनुभव को और बेहतर बनाता है।

इंजन विकल्पों में भी यह एसयूवी काफी विविधता रखती है। इंटरनेशनल मार्केट में यह 1.0 टीसीई तीन-सिलेंडर इंजन के साथ आती है, जो 100एचपी की ताकत देता है। इसके साथ 1.2 टीसीई टर्बो पेट्रोल इंजन का माइल्ड-हाइब्रिड सेटअप भी उपलब्ध है, जो 130एचपी आउटपुट देता है और 48-वोल्ट स्टार्टर-जनरेटर के साथ ऑल-व्हील ड्राइव का सपोर्ट करता है। टॉप मॉडल में ई- टेक हाइब्रिड वैरिएंट मिलता है, जिसमें 1.6एल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर मिलकर 140 एचपी की पावर जनरेट करते हैं। इसके अलावा वायरलेस स्मार्टफोन चार्जिंग, 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, टाइप-सी पोर्ट और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स भी शामिल हैं।

उत्सर्जन मानदंडों पर एकमत है निर्माण उपकरण उद्योग: जेसीबी इंडिया

- आईसीईएमए ने सरकार से बिना पहियों वाली मशीनों पर नियम लागू करने का अनुरोध किया

नई दिल्ली

भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माता संघ (आईसीएमए) में उत्सर्जन मानदंडों को लेकर किसी भी प्रकार का मतभेद नहीं है। यह बात जेसीबी इंडिया के एक प्रमुख अे धिकारी एक संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने बताया कि उद्योग लंबे समय से प्रगतिशील रुख अपनाता आया है और नए पर्यावरणीय नियमों को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहा है। उन्होंने कहा कि आईसीएमए ने स्वयं केंद्र सरकार से अनुरोध किया था कि बिना पहियों वाली निर्माण मशीनों से क्रॉलर एक्सकेवेटर, ट्रैक्ड पेवर्स, मोबाइल क्रेन, डोज़र और मोटर ग्रेडर पर उत्सर्जन मानदंड लागू किए जाएं। फिलहाल, इन मशीनों पर कोई उत्सर्जन मानदंड लागू नहीं है, जबकि पहियों वाली मशीनों पर कड़े नियम पहले से प्रभावी हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उद्योग के भीतर इस विषय पर कभी कोई भिन्न राय नहीं रही और सभी कंपनियां उत्सर्जन नियंत्रण के महत्व को समझती हैं।

इसके विपरीत, यात्री वाहन उद्योग वर्तमान में कैफे-3 और कैफे-4 नियमों के कुछ प्रावधानों पर एकमत नहीं हो सका है। ये नियम अप्रैल 2027 से लागू होने वाले हैं और कार निर्माताओं को बेड़े के औसत के आधार पर कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन सीमाओं का पालन करना होगा। छोटे वाहनों के लिए भार आधारित छूट के प्रस्ताव पर वाहन कंपनियों के बीच मतभेद बने हुए हैं। निर्माण उपकरण क्षेत्र में 1 जनवरी से भारत स्टेज सीईवी यानी स्टेज 5 मानदंड लागू हो चुके हैं, जो केवल पहियों वाले उपकरण वाहनों पर लागू होते हैं। ये मानदंड पार्टिकुलेट मैटर और पार्टिकल नंबर उत्सर्जन पर काफी सख्ती लाते हैं और निर्माताओं को डीज़ल पार्टिकुलेट फ़िल्टर जैसी उन्नत तकनीक अपनाने की आवश्यकता पड़ती है। हालांकि, बिना पहियों वाली या ट्रैक्ड मशीनें अभी भी इन नियमों के दायरे से बाहर हैं।

सुरभि चंदना ने शेयर किया टीवी से ब्रेक लेने का कारण

टीवी इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार रहे हैं, जिन्होंने एक समय में घर-घर में अच्छी पहचान बनाई है और दर्शकों के दिलों में राज भी किया है, लेकिन अब वे कई समय से टीवी की दुनिया से दूर हैं। उन्हीं में से एक अभिनेत्री सुरभि चंदना हैं। शनिवार को उन्होंने बताया कि उन्होंने टीवी की दुनिया से दूरी क्यों बना ली। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर बताया कि वे इतने दिनों से टीवी की दुनिया से क्यों दूर थीं। उन्होंने लिखा, टीवी सेट से लेकर थिएटर की रोशनी तकज्मुझे हमेशा से थिएटर में बहुत दिलचस्पी रही है। हर बार जब मैं कोई भी नाटक देखती थी, तो उसे पूरा देखकर आश्चर्य में पड़ जाती थी और खुद से ये सवाल करती थी कि एक अभिनेत्री के तौर पर क्या मैं इसका सामना कर पाऊंगी? अभिनेत्री ने बताया कि थिएटर में जाने के फैसले पर कई लोग उनसे सवाल करते रहते हैं कि उन्होंने टीवी से थिएटर को क्यों चुना?

अभिनेत्री ने लिखा, मुझे ऐसा लगता है कि थिएटर करने से मेरा अभिनय और भी बेहतर होगा। ये अब और सच साबित हो रहा है। अब मैं इस कला की दुनिया में कदम रख रही हूं, जहां कुछ भी कट या दोबारा नहीं किया जा सकता है। इसमें हर पल और भावनाएं लाइव चलती हैं और कहानियां मंच पर जीवित रहती हैं। अभिनेत्री ने थिएटर में अपने पहले नाटक के बारे में बताते हुए लिखा, मेरा पहला नाटक थिएटर की इस नई यात्रा की शुरुआत है। आप सब इसे जरूर देखें। उन्होंने आगे लिखा, मेरी प्यारी विजयलक्ष्मी को धन्यवाद, जिनसे मुझे ये प्यारे लोग मिले, हमारे निर्देशक और मेरे मेंटर आदित्य, जो मेरी सभी रिहर्सल में मेरी मदद करते रहे हैं; और हमारी प्रोड्यूसर प्रेरणा सिंह, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया कि मैं ये सब कर सकती हूं। इसके बाद अभिनेत्री ने पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करते हुए लिखा, मुझे लोगों ने चेताया था कि एक वक्त के बाद सब नशा बन सकता है, और अब लगता है मैं अगले नाटक के लिए तैयार हूं।

फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी जरूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने फिल्मों और ओटीटी सीरीज के जरिए अलग पहचान बनाई है। वह हमेशा उन कलाकारों में से रही हैं, जो न सिर्फ चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को स्वीकार करती हैं, बल्कि अपनी सोच और पसंद के अनुसार काम करने की आजादी को सबसे आगे रखती हैं। इस कड़ी में जागरण फिल्म फेस्टिवल के दौरान आईएएनएस से खास बातचीत में हुमा ने फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी के महत्व पर अपने विचार रखे। आईएएनएस से बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि एक मजबूत फिल्म इंडस्ट्री तभी संभव है, जब हर तरह की फिल्में बनाने का मौका मिले। इंडस्ट्री में सिर्फ बड़ी फिल्में या ब्लॉकबस्टर ही नहीं, बल्कि छोटी, मध्यम दर्जे की और इंडिपेंडेंट फिल्मों की भी काफी अहमियत होती है। फिल्म निर्माता दर्शकों को ध्यान में रखते हुए नई कहानी और शैली में तरह-तरह के प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से न केवल इंडस्ट्री मजबूत बनती है, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग तरह की फिल्मों का अनुभव मिलता है। उन्होंने कहा, हमें दर्शकों को देखकर फिल्म बनानी चाहिए। बड़ी फिल्में बननी चाहिए, छोटी फिल्में, सामान्य फिल्में, और इंडिपेंडेंट फिल्मों पर भी ध्यान देना चाहिए। जब हर तरह की फिल्मों को बनाने की आजादी होती है और लोग उन्हें देखने का मौका पाते हैं, तब ही फिल्म इंडस्ट्री मजबूत और जीवंत बनती है। हुमा ने दिल्ली क्राइम सीजन 3 में अपने खलनायिका के रोल के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि यह उनके करियर में पहली बार था, जब उन्होंने इस तरह का नकारात्मक किरदार निभाया है। जब उन्हें इस शो के लिए कॉल आया, तो वह उस समय महारानी की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने कहा, मैं इस शो को लेकर पहले सोच रही थी कि शायद मुझे पुलिस वाले का मुख्य रोल मिलेगा, लेकिन मुझे बताया गया कि यह एक नेगेटिव रोल है। हुमा ने कहा, खलनायिका का रोल निभाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसे करने में बेहद मजा आया। दर्शक इस किरदार में मुझे एक बिल्कुल अलग अंदाज में देखेंगे। महारानी और दिल्ली क्राइम जैसे दोनों शोज लगातार आने की वजह से मुझे रोजाना कई कॉल और मैसेज मिल रहे हैं, जिसमें लोग दोनों किरदारों की तारीफ कर रहे हैं। दिल्ली क्राइम सीजन 3 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है।

रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में नजर आएंगी अपेक्षा पोरवाल

अनदेखी, हनीमून फ़ोटोग्राफ़र और इंटरनेशनल हिट स्लेव मार्केट में अपने दमदार और अलग-अलग किरदारों से छा चुकी अपेक्षा पोरवाल अब रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में एक अहम रोल झटक ले गई हैं। पहली जेलर, जिसे सन पिक्चर्स ने बनाया और नेल्सन दिलीपकुमार ने डायरेक्ट किया था, ने दुनिया भर में 600 करोड़ से ज़्यादा की कलेक्शन पर तिलक लगाया था। ऐसे में इसकी सीक्वल की गूंज तो पैन-इंडिया फिल्म ब्रह्मांड में पहले से ही मचा रही है। और इसी शोर के बीच, यह फिल्म अपेक्षा का साउथ में पहला कदम भी बन रही है — यानी उनके करियर की कहानी का एक नया और दिलचस्प पन्ना खुल रहा है। अपनी बारीक और असरदार परफॉर्मेंसेज़ के लिए पहचानी जाने वाली यह युवा एक्ट्रेस अब इंडिया और ग्लोबल, दोनों स्क्रीन पर एक मज़ेदार सफ़र जारी रखे हुए है। पैन-इंडिया फ़िल्म लीग में बड़े-बड़े सितारों के साथ कदम मिलाते हुए, अपेक्षा बिल्कुल सही मोड़ पर जेलर 2 में एंट्री मार रही हैं — और यह एंट्री उनके सफ़र को एक नई सुपरचार्ज्ड स्पीड देने वाली है।

दशा और दिशा बदलने आ रही है पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर के साथ निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। जानिए आप सिनेमाघरों में पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म कब देख सकेंगे।

कब रिलीज हो रही है फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने फिल्म का एक मोशन पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, नए साल में, दशा और दिशा बदलने आ रहे हैं राहु केतु। राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फिल्म राहु-केतु के बारे में

फिल्म राहु केतु में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है। यह फिल्म जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक कॉमेडी और फैंटेसी फिल्म है, जिसकी शूटिंग मुंबई और मनाली में हुई है।

शेफाली शाह ने जयदीप अहलावत को बताया अपना पसंदीदा कलाकार

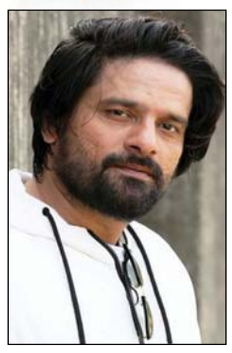

सिनेमाई दुनिया में अपने शानदार अभिनय के लिए पहचानी जानी वाली अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने फेवरेट एक्टर के बारे में बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि उस एक्टर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को अलग पहचान दी है।

अभिनेत्री ने बोला कि जयदीप अहलावत उनके पसंदीदा कलाकार हैं। उन्होंने कहा, 'वह बहुत अच्छे हैं। ओटीटी ने हमारी जिंदगी बदल दी है। हम सभी को प्रतिभाशाली माना जाता था, लेकिन उन बड़ी व्यावसायिक फिल्मों में हमारी क्या जगह होती? इसलिए, जब मैं उनकी प्रगति देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है।'

अभिनेत्री ने जयदीप अहलावत की सफलता का किया जिक्र

अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए याद किया कि जब 'पाताल लोक 2' रिलीज हुई, तो उन्होंने अमूल का एक होर्डिंग देखा जिसमें अहलावत दिखाई दे रहे थे, तो उन्हें बहुत गर्व महसूस हुआ था। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि वो सभी प्रशंसाओं के हकदार हैं। इसके अलावा बताया कि जयदीप अहलावत का उदय सिनेमा उद्योग में एक बदलाव का प्रतीक है।

अपनी पहली किताब का भी किया जिक्र

आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने एक किताब लिखी है, हालांकि मुझे यकीन नहीं है कि यह मेरी पहली किताब होगी। मैंने इसे पढ़ा है, मेरे दोस्तों ने इसे पढ़ा और उन्हें यह पसंद आई है। अब, यह प्रकाशित होगी या नहीं, यह पता चल जाएगा।' अभिनेत्री ने सभी से किताबें पढ़ने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ना हमें कहीं घूमने से भी ज्यादा प्रेरित करती हैं।

इन फिल्मों में साथ नजर आए शेफाली और जयदीप अहलावत

अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित फिल्म थ्री ऑफ अस साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में शेफाली शाह और जयदीप अहलावत मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को10 में से 7.5 रेटिंग मिली है, जो बताती है कि फिल्म अच्छी थी।

अब तक की सबसे महंगी फिल्म हो सकती है वाराणसी

फिल्ममेकर एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी अब तक की सबसे महंगी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। इसके बजट से लेकर स्टार्स की फीस तक के बारे में जानने के लिए हर कोई एक्साइटेड है। इस बीच, प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू की सैलरी को लेकर खुलासा हो गया है।

प्रियंका ने फिल्म के लिए मांगी 30 करोड़ रुपये की फीस

फिल्ममेकर एसएस राजामौली ने अपनी अगली मेगास्टार फिल्म वाराणसी के लिए पहली बार महेश बाबू के साथ हाथ मिलाया है। हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में भव्य टाइटल लॉन्च इवेंट हुआ, जहां फिल्म के नाम की घोषणा की गई। महेश बाबू के अलावा, फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी लीड रोल्स में हैं। प्रियंका वाराणसी के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और फैंस अब कलाकारों को दी गई फीस जानने के लिए एक्साइटेड हैं। प्रियंका चोपड़ा पहली बार फिल्ममेकर एसएस राजामौली के साथ वाराणसी में काम करेंगी। पहले इसका नाम SSMB29 रखा गया था। कोईमोई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका ने इस फिल्म के लिए 30 करोड़ रुपये की फीस मांगी है। इस तरह वह किसी भी निर्देशक के साथ काम करने वाली सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में से एक बन गई हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि प्रियंका ने अपनी फीस बढ़ा दी है। एसएस राजामौली की आरआरआर में आलिया भट्ट ने 9 करोड़ रुपये लिए थे, जबकि बाहुबली में अनुष्का शेट्टी ने 5 करोड़ रुपये लिए थे। प्रियंका कथित तौर पर दीपिका पादुकोण को पीछे छोड़ देंगी, जो अब तक सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस रही हैं।

पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस

साउथ स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस के बारे में अभी तक कोई खबर नहीं आई है। हालांकि प्रियंका चोपड़ा एक इंटरनेशनल आइकन हैं और उनकी स्टार पावर दुनिया भर में है, लेकिन उनकी ऊंची फीस उनके फैंस के साथ न्याय नहीं कर पा रही है।

दिलचस्प बात यह है कि न तो मेकर्स और न ही फिल्म के स्टार्स ने अभी तक उन्हें मिलने वाली फीस की पुष्टि की है।

महेश बाबू लेंगे 40 परसेंट प्रॉफिट

रिपोर्ट और कोईमोई के एक करीबी सूत्र के अनुसार, महेश बाबू और फिल्ममेकर एसएस राजामौली नॉर्मल सैलरी नहीं लेंगे। राजामौली को महेश बाबू के काम पर बहुत भरोसा है जिसने उन्हें स्टारडम तक पहुंचाया। इसी वजह से दोनों ने ज़्यादा फीस न लेने का फैसला किया है। उनका मकसद वाराणसी के साथ एक विरासत बनाना है। इसलिए, महेश बाबू और एसएस राजामौली कथित तौर पर मेकर्स के साथ 40% प्रॉफिट समझौता करेंगे। रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि महेश बाबू कोई वेतन नहीं लेंगे और उन्होंने एसएस राजामौली के साथ एक शेयर प्रॉफिट समझौते पर बातचीत की है। इसका साफ मतलब है कि वाराणसी के लिए महेश बाबू की सैलरी पूरी तरह से फिल्म के मुनाफे पर निर्भर करेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्रा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in